हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com E-paper-hindidailyweb.in WhatsApp No- 9666641609

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 234 Tuesday, 10 June 2025 मंगलवार, 10 जून 2025 HYDERABAD 8 PAGES RS.3. 00

दिल्ली में गजब की गर्मी, तेज धूप और गर्म हवा... लू से तप रही दोपहर, रात को भी नहीं मिल रहा चैन

नई दिल्ली(एजेंसी),

मई में नियमित अंतराल पर बारिश ने जो इनायत की उसकी वजह से दिल्लीवासियों को गर्मी की तपिश का अहसास नहीं हुआ। जून में भी लगा कि मानसून जल्दी आ जाएगा तो यह महीना भी शुकून से गुजरेगा पर चढ़ते पारे ने लोगों की यह गफलत दूर कर दी है। सोमवार को ही पारा 44 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। 12 तक लू के ऑरेंज अलर्ट के बीच तापमान के 45 के पार जाने के आसार हैं।

यूपी में चार मजारें पर चला योगी सरकार का बुलडोजर

- बहराइच में लक्कड़ शाह, चमन शाह, भंवर शाह और शहंशाह की मजारें ध्वस्त

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद स्थित कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के मूर्तिहा रेंज में वन विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई की है। देर रात प्रशासन की टीम ने जंगल के भीतर बनी चार मजारों को अवैध अतिक्रमण बताकर बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई में लक्कड़ शाह, चमन शाह, भंवर शाह और शहंशाह नामक मजारों को हटाया गया है। लक्कड़ शाह की मजार, जिसे 'बड़ी दरगाह' के रूप में जाना जाता था, मूर्तिहा रेंज के घूमना जंगल क्षेत्र में स्थित थी। वन विभाग ने इस अभियान को गोपनीय ढंग से अंजाम दिया। देर रात आधा दर्जन से अधिक बुलडोजरों की मदद से मजारों को गिराया गया। कार्रवाई के दौरान किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इन सभी मजारों का निर्माण वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण के तहत किया गया था। विभाग की मानें तो यह कदम लंबे समय से जारी अतिक्रमण हटाओ अभियान का हिस्सा था। हालांकि, इस कार्रवाई से स्थानीय मुस्लिम समुदाय में आक्रोश देखा जा रहा है। समुदाय के लोगों का कहना है कि ये मजारें वर्षों से आस्था के

केंद्र रही हैं। बिना किसी पूर्व सूचना या कानूनी प्रक्रिया के उन्हें गिरा देना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसा है। चार धार्मिक स्थलों पर एक साथ बुलडोजर चलाए जाने के बाद मामला संवेदनशील होता जा रहा है। स्थानीय प्रशासन ने क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की है। हालात पर कड़ी नजर रखी जा रही है। वहीं, कई सामाजिक संगठनों और स्थानीय प्रतिनिधियों ने कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच और मुआवज़े की मांग की है।

मणिपुर में नेशनल हाईवे बंद, दवाएं तक नहीं मिल रहीं

- चुराचांदपुर और इंफाल में जरूरी चीजों के दाम बढ़े, 5 जिलों में इंटरनेट बंद

चुराचांदपुर/इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा के बाद हाईवे ब्लॉकेज और ट्रांसपोर्ट रूट्स प्रभावित होने से आम लोगों को महंगाई का सामना कर पड़ रहा है। खास तौर पर चुराचांदपुर और राजधानी इंफाल में खाने-पीने की चीजें और दवाइयों की भारी कमी हो गई है। जरूरी सामानों के दाम बढ़ गए हैं। हिंसा प्रभावित कई इलाकों में दवाइयां तक नहीं मिल रही हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया-अब सारी चीजें मिजोरम के रास्ते आ रही हैं, इसलिए महंगी हो गई हैं। पहले जैसी स्थिति नहीं रही है। चुराचांदपुर कुकी समुदाय का गढ़ माना जाता है। यह नेशनल 2 और 37 पर निर्भर है, जो असम और नगालैंड को मणिपुर से जोड़ते हैं। अब ये रास्ते बंद हैं, जिससे ट्रकों को लंबा रास्ता मिजोरम से होकर लेना पड़ रहा है। इससे ट्रांसपोर्ट

कॉस्ट बढ़ रही है। 3 मई 2023 को कुकी-मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष शुरू हुआ था, जो अब तक जारी है। इस दौरान 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई हैं। मणिपुर में मैतेई संगठन अरम्बाई टेंगोल के नेता कानन सिंह की गिरफ्तारी की खबर के बाद 7 जून की रात मणिपुर में हिंसा भड़क गई। राजधानी इंफाल के कई इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियों में आग लगा दी, सड़कों पर टायर और पुराने फर्नीचर भी जलाए। इंफाल के अलग-अलग इलाकों में प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल डालकर खुद को जलाने की भी कोशिश की। हालांकि रविवार को

सीबीआई ने कानन सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उन पर 2023 में हिंसा भड़काने के आरोप है। इंफाल समेत 5 जिलों में इंटरनेट बंद, 2 में कर्फ्यू लगा हिंसा-प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने 7 जून की रात 11:45 बजे से पांच दिनों के लिए 5 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सर्विस सस्पेंड कर दी है। इनमें इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर शामिल हैं। इंफाल ईस्ट और बिष्णुपुर में कर्फ्यू भी लगाया गया है। 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन, नई सरकार 15 जून तक बनने की संभावना है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड का खुल गया 'राज'

- पत्नी सोनम ने ही प्रेमी के साथ मिलकर कराई हत्या
- यूपी में मिली, 5 संदिग्ध आरोपी भी पुलिस हिरासत में

पिता बोले-बेटी बेगुनाह, मेघालय पुलिस ने कहानी गढ़ी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हत्या के बाद लापता उनकी पत्नी सोनम 17 दिन बाद यूपी के गाजीपुर में एक ढाबे पर मिलीं। इसके बाद मेघालय डीजीपी इदाशीशा नोंग्रांग ने दावा किया कि पत्नी (सोनम) ने ही पेशेवर हत्यारों को सुपारी देकर मर्डर कराया। इधर, सोनम के पिता ने इस बात को मानने से साफ इनकार कर दिया है कि उनकी बेटी ने अपने पति की हत्या कराई होगी। उनका कहना है कि मेरी बेटी बेगुनाह है। वहीं, मामले में 5 संदिग्धों को हिरासत में भी लिया गया है। राज कुशवाहा, विशाल चौहान को इंदौर जबकि आकाश राजपूत को इंदौर के पास और आनंद कुर्मी को बीना के बसाहरी गांव से पकड़ा गया। यूपी में ललितपुर के दिगवार गांव से आकाश लोधी को हिरासत में लिया गया। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। सोनम के पिता देवी सिंह ने किइस बात को मानने से साफ इनकार कर दिया है कि उनकी बेटी ने अपने पति की हत्या कराई होगी।

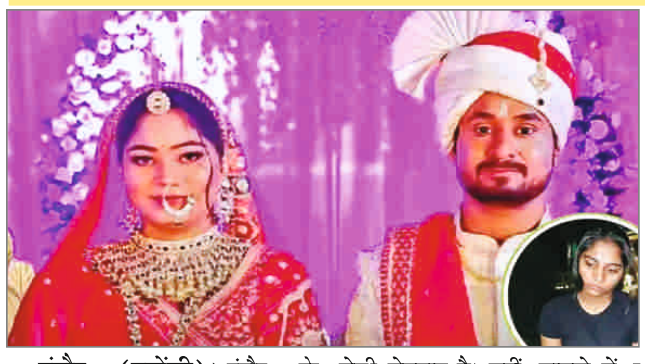

- **यूपी के ललितपुर से पकड़ाया पांचवां संदिग्ध आकाश-** इंदौर के राजा रघुवंशी मर्डर केस में मेघालय पुलिस ने यूपी के ललितपुर से भी एक युवक को गिरफ्तार किया है। रविवार रात शिलॉन्ग पुलिस ने ललितपुर के कोतवाली महरौनी के दिगवार गांव में छापामारी की। पुलिस ने यहां आकाश लोधी (18) को हिरासत में लिया। पड़ोसियों के बताया- आकाश अपने पिता राघवेंद्र लोधी के साथ इंदौर में रहता है। वह रविवार की शाम ही गांव पहुंचा था।
- **एसपी बोले-अन्य आरोपियों के पकड़े जाने के बाद सामने आई सोनम-** शिलॉन्ग में पूर्वी खासी हिल्स के एसपी विवेक सायम ने कहा- मेघालय पुलिस की दो टीमें मध्यप्रदेश में हैं और एक टीम सोनम को गिरफ्तार करने के लिए उत्तरप्रदेश जा रही है। यह बड़ा फैक्ट है कि इतने दिनों तक वह बाहर नहीं आई थी, लेकिन कल रात जब राज कुशवाह और अन्य पकड़े गए, तो अचानक वह सामने आ गई। यह अपने आप में सब कुछ कहता है।

दुश्मन के ठिकानों पर होगा अब और भी सटीक हमला

- 10 हजार करोड़ की डील, वायुसेना को मिलेंगे आई-स्टार

ये तकनीक अभी अमेरिका, ब्रिटेन और इजराइल के पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरफोर्स को जल्द ही तीन मॉडर्न आई-स्टार (इंटेलीजेंस, सर्विलांस, टारगेट एक्विजिशन एंड रिकॉनिसेंस) स्पाय एयरक्राफ्ट मिलने जा रहे हैं। प्रोजेक्ट की 10,000 करोड़ रुपए की है। इसका प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय जून के चौथे हफ्ते में होने वाली हाई लेवल मीटिंग में मंजूरी के लिए रखेगा। एयरक्राफ्ट मिलने के बाद भारत अमेरिका, ब्रिटेन और इजराइल जैसे चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा, जिनके पास यह टेक्नॉलॉजी है। आई-स्टार स्पाय एयरक्राफ्ट की मदद से वायुसेना को दुश्मन के जमीनी ठिकानों जैसे रडार स्टेशनों, एयर डिफेंस सिस्टम और मोबाइल टारगेट्स की सटीक जानकारी मिलेगी।

ये तीनों एयरक्राफ्ट विदेशी कंपनियों जैसे बोइंग और बॉम्बार्डियर से खुले टेंडर के माध्यम से खरीदे जाएंगे, लेकिन इनके अंदर लगने वाले सभी सिस्टम पूरी तरह स्वदेशी होंगे। मॉडर्न आई-स्टार एयरक्राफ्ट के डीआरडीओ के सेंटर फॉर एयरबोन सिस्टम की ओर से विकसित स्वदेशी सिस्टम लगाए जाएंगे। ये पहले ही परीक्षण में सफल हो चुके हैं। आई-स्टार विमान ऊंचाई से खुफिया जानकारी जुटाने, निगरानी करने, लक्ष्य पहचानने और उन पर हमले के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। ये दिन और रात में किसी भी मौसम में काम करने में सक्षम होंगे। इनके जरिए दुश्मन की गतिविधियों पर दूर से सीक्रेट नजर रखी जा सकेगी। आई-स्टार सिस्टम हवाई और जमीनी दोनों हिस्सों में काम करेगा और भारतीय सेना की सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाएगा।

मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को बड़ी राहत

- कोर्ट ने परिवार से फोन पर बात करने की दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उसे फिलहाल अपने परिवार से एक बार फोन पर बात करने की इजाजत दे दी है।

यह बातचीत जेल के नियमों के

अनुसार और तिहाड़ जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी की निगरानी में होगी। कोर्ट ने राणा की सेहत को लेकर भी रिपोर्ट मांगी है।

एनआईए ने राणा को फोन करने की इजाजत दे दी है। कोर्ट ने जेल अधिकारियों से यह भी पूछा है कि क्या राणा को भविष्य में जेल मैनुअल के हिसाब से नियमित फोन कॉल करने की इजाजत मिलनी चाहिए या नहीं। राणा को एनआईए ने हिरासत में लिया गया तब उसने परिवार से बात करने की इच्छा जताई थी।

राणा के वकील की ओर से तर्क दिया गया था कि एक विदेशी नागरिक के तौर पर राणा का यह मौलिक अधिकार है कि वह अपने परिवार से बातचीत करे। राणा का परिवार उसकी भलाई को लेकर चिंतित है।

इससे पहले 24 अप्रैल को विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने राणा की अपने परिवार से बात करने की अनुमति मांगने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। एनआईए द्वारा उसकी याचिका का विरोध करने के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया था। सुनवाई के दौरान, एनआईए ने तर्क दिया कि अगर राणा को अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की अनुमति दी जाती है, तो वह बातचीत के दौरान कमहत्वपूर्ण जानकारियां साझा कर सकता है।

आईएसएस जाने से पहले शुभांशु शुक्ला की फाइनल रिहर्सल

- आज इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना होंगे, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बनेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन 4 के तहत कल 10 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाएंगे। इससे पहले रविवार को शुभांशु ने फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल की। इसमें असेंबली बिल्डिंग से रॉकेट तक जाने और उसमें बैठने के प्रोसेस को फॉलो किया। इस दौरान शुभांशु ने कहा- यह एक बेहतरीन यात्रा रही है। ये पल बताते हैं कि आप किसी ऐसी चीज का हिस्सा बनने जा रहे हैं जो आपके खुद से बहुत बड़ी है। मैं बस इतना कह सकता हूं कि मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि मुझे मिशन का हिस्सा बनने का अवसर मिला। एक्सिओम मिशन 4 ((एएक्स×-4) में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं।

फंस गया पाकिस्तान, टूटेगी आतंकवाद की जुगलबंदी !

- कनाडा में जी-7 से पीएम मोदी कर सकते हैं आखिरी चोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद वैश्विक स्तर पर भारत आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। यह कूटनीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक गठबंधन को लेकर एक साथ आगे बढ़ रहा है। कनाडा में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास एक सुनहरा मौका है। मौजूदा हालातों में यहां वे भारत की वैश्विक स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं। साथ ही, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और खालिस्तानियों की जुगलबंदी से भी एक साथ निपट सकते हैं। कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने प्रधानमंत्री मोदी को जी-7 में आमंत्रित किया है। यह भारत के लिए एक मंच हो सकता है। यहां से यह संदेश दिया जा सकता है कि भारत विरोधी ताकतों को बर्दाश्त नहीं

किया जाएगा, चाहे वह कहीं पर फल-फूल रहे हों। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में भारत से उसके रिश्ते खराब हो गए थे। अब कार्नी के आने से उम्मीद की किरण जगी है। भारत के लिए यह शिखर सम्मेलन मात्र आर्थिक साझेदारी और जलवायु परिवर्तन पर बात करने से बढ़कर है। यह उन ताकतों को हराने का मौका है, जो लंबे समय से भारत को अस्थिर करने की साजिशें कर रही हैं।

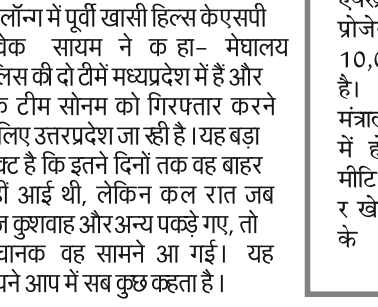

नक्सलियों के ब्लास्ट में एएसपी आकाश राव शहीद

- फूट-फूटकर रोए जवान, कोंटा एसडीओपी और टीआई जख्मी, सुकमा में पैदल गश्त पर निकले थे

सुकमा (एजेंसी)। सुकमा के कोंटा में नक्सलियों के आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आकर कोंटा डिवीजन के एडिशनल एसपी आकाश राव गिरिपुंजे शहीद हो गए हैं। घटना में कोंटा एसडीओपी भानुप्रताप चंद्राकर और टीआई सोनल ग्वाला घायल हैं। मौके के लिए फोर्स को रवाना किया गया है। दरअसल, नक्सलियों ने कल यानी 10 जून को भारत बंद का आह्वान किया था, इसे लेकर एएसपी आकाश राव अपनी टीम के साथ पैदल गश्त पर निकले थे, इसी दौरान कोंटा-एर्राबोर मार्ग पर डोंड्रा के पास नक्सलियों के लगाए गए आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आ गए। ब्लास्ट में घायल एसडीओपी और टीआई की हालत खतरे से बाहर हैं उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र एयरलिफ्ट किया जा रहा है। वहीं एएसपी की शहादत की सूचना मिलने पर उनकी टीम के जवान फूट-फूटकर रोते रहे। गार्ड ऑफ ऑनर देने के लिए उनका शव रायपुर लाया गया है।

मोदी सरकार के 11 साल, नड्डा ने रखी अपनी बात

- कहा-पहले की सरकार भ्रष्टाचार-निगेटिविटी से भरी हुई थी
- बीजेपी चीफ बोले-मोदी सरकार में ये भावना बदल गई है
- कहा-नोटबंदी में लोग सरकार के सपोर्ट में लाइनों में लगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के सोमवार को 11 साल पूरे हो गए। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सरकार के कामकाज, फैसलों और नीतियों पर भाजपा हेडक्वार्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा नोटबंदी के दौरान विपक्षी पार्टियां जनता को भड़का रही थीं, लेकिन लोग सरकार के सपोर्ट में लाइनों में लगे थे। लोगों को मोदी जी की लीडरशिप पर भरोसा था। नड्डा ने कहा- देश ने मान लिया था कि अनुच्छेद 370 हटाना मुमकिन नहीं है, लेकिन मोदी सरकार ने कर दिखाया। जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव के दौरान 58.46 फीसदी वोटिंग हुई, वहीं विधानसभा चुनाव में 63 फीसदी वोट पड़े। यह बदलाव मोदी सरकार के साहसी फैसले का नतीजा है। यह एक पारदर्शी और भविष्य की सोच वाली सरकार है। 11 साल में विकसित भारत की नींव मजबूत हुई है।

पीएम बोले-सरकार ने लोगों की जिंदगी आसान बनाई- मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो पोस्ट किया। साथ ही उन्होंने लिखा, हमारी सरकार की योजनाओं के केंद्र में गरीब भाई-बहनों के साथ जन-जन का कल्याण हो रहा है। हमने पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ लोगों की जिंदगी आसान बनाने की कोशिश की है। एक दिन पहले रविवार को मोदे ने कहा था कि उज्ज्वला योजना ने लाखों घरों को धुएं से मुक्ति दिलाई।

भारत, चीन, रूस के गठबंधन को ऐक्टिवेट करना चाहते हैं पुतिन

- निशाने पर अमेरिका, दिल्ली ने साथ नहीं दिया तो टूट जाएगी दोस्ती!

मॉस्को/बीजिंग/नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन युद्ध रोकने में बुरी तरह नाकाम रहे डोनाल्ड ट्रंप रूस राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर आग बबूला हैं। जबकि दूसरी तरफ व्लादिमीर पुतिन को कोई फर्क नहीं पड़ता अमेरिका कितना भी गुस्सा हो। पुतिन शतरंज की एक नई चाल चल रहे हैं, जिसमें एशिया में एक नया गठबंधन बनाने का प्लान है। मॉस्को की एशिया रणनीति में चीन और भारत को एक साथ लाते हुए एक नया गठबंधन बनाना है, जिसका मकसद पश्चिमी देशों के प्रभाव को

कम करना है। यूक्रेन ने 30 दिनों के युद्धविराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था, लेकिन रूस ने उसे ठुकरा दिया। मॉस्को, उस क्रीमिया पर अमेरिका की मान्यता चाहता है, जिसे उसने 2014 के युद्ध में कब्जाया था। जिसको लेकर पूर्व राजदूत माइकल मैकफॉल जैसे एक्सपर्ट्स ने इसे 'जहर की गोली' कहा है। उनका कहना है कि यह कूटनीति को पटरी से उतारने के लिए है। पुतिन हर हाल में अमेरिकी प्रभाव का मुकाबला करना चाहते हैं और इसके लिए भारत-चीन दोनों का साथ चाहिए।

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था के लिए गेम चेंजर है वंदे भारत ट्रेन

कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली ट्रेन शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को श्री माता वैष्णो देवी कटरा और श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कश्मीर घाटी तक रेल का पहुंचना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसका बहुत बड़ा असर कश्मीर के विकास, व्यापार और पर्यटन पर पड़ेगा क्योंकि इस रेल की मदद से कश्मीर अब दुनिया के बाकी हिस्सों से बेहतर ढंग से जुड़ सकेगा। लेकिन कश्मीर तक रेल का पहुंचना आसान नहीं था, यह एक लंबी यात्रा है। भारत में जब अंग्रेजों का शासन था, उस दौरान जम्मू-कश्मीर में अंग्रेजों ने ही पहली बार ट्रेन चलाई थी। 1897 में जम्मू और सियालकोट के बीच 40 से 45 किलोमीटर की दूरी पर यह ट्रेन चलाई गई थी। जब भारत का बंटवारा नहीं हुआ था, तब 1902 और 1905 में रावलपिंडी से श्रीनगर तक एक रेलवे लाइन का प्रस्ताव रखा गया। यह झेलम के रास्ते कश्मीर घाटी को भारत के रेलवे नेटवर्क से जोड़ सकती थी लेकिन तब जम्मू-कश्मीर के महाराजा प्रताप सिंह रियासी के रास्ते जम्मू-श्रीनगर रेल लाइन चाहते थे और इस वजह से इन दोनों में से कोई भी किसी भी प्रोजेक्ट पर आगे बात नहीं बन सकी।

1947 में देश के बंटवारे के बाद सियालकोट पाकिस्तान में चला गया और जम्मू भारत के रेल नेटवर्क से कट गया। 1975 में पठानकोट-जम्मू लाइन के शुरू होने तक पंजाब का पठानकोट जम्मू-कश्मीर का सबसे नजदीक रेलवे स्टेशन था। 1983 में जम्मू और उधमपुर के बीच रेलवे लाइन का काम शुरू हुआ। यह लाइन 53 किलोमीटर लंबी थी और इस काम को 5 साल में पूरा किया जाना था लेकिन इसे बनने में 21 साल लग गए। इस लाइन पर काम जारी था इसलिए केंद्र सरकार ने 1994 में इसे उधमपुर से श्रीनगर और फिर बारामूला तक बढ़ाने का ऐलान किया। इस परियोजना को उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट नाम दिया गया और मार्च 1995 में 2,500 करोड़ रुपये की लागत से इसे मंजूरी मिली। 2002 में इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर दिया गया और इसके अलग हिस्से धीरे-धीरे शुरू होते गए। यूएसबीआरएल परियोजना अब पूरी हो चुकी है। यह कुल 272 किलोमीटर का ट्रैक है और इसे 43,780 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इसमें 36 सुरंगें और 943 पुल शामिल हैं। बड़ी उपलब्धि यह है कि इस लाइन के जरिए कटरा और श्रीनगर अब केवल 3 घंटे की दूरी पर ही रह गए हैं। यूएसबीआरएल परियोजना इंजीनियरिंग के लिहाज से भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है। हिमालय की पर्वत श्रृंखला में शिवालिक पहाड़ियां और पीरपंजाल रेंज भूकंप के लिहाज से सबसे खतरनाक जोन ढ्ढङ्क और ङ्क में आते हैं। यह पूरा इलाका कठिन है और बर्फीले मौसम वाला है, जिससे पुलों और सुरंगों को बनाने का काम बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। यूएसबीआरएल परियोजना के जरिये भारत के खाते में कई बड़ी उपलब्धियां भी दर्ज हुई हैं। दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज, जिसका आर्च चिनाब नदी के तल से 359 मीटर ऊपर है; रेलवे का पहला केबल-स्टे ब्रिज (अंजी खड्ड पर) और भारत की सबसे लंबी परिवहन सुरंग जो रामबन जिले में है और 12.77 किलोमीटर लंबी है। वंदे भारत ट्रेनें कटरा और श्रीनगर के बीच की दूरी लगभग तीन घंटे में तय करेंगी और इसमें सड़क के रास्ते से आधा वक्त लगेगा। ये ट्रेनें भयंकर सर्दियों में भी चलेंगी और सालभर चाहे कैसा भी मौसम हो, घाटी को देश से जोड़े रखेंगी। जल्द ही यह ट्रेन जम्मू-तवी तक भी चलेगी, जिससे देश के किसी भी कोने से सीधी ट्रेन लेकर श्रीनगर तक पहुंचा जा सकेगा। जम्मू-कश्मीर ऐसा राज्य है जिसकी आर्थिकी पर्यटन पर निर्भर है और इसके लिए ट्रेन बहुत जरूरी है। कश्मीर तक ट्रेन पहुंचने के बाद निश्चित रूप से जम्मू-कश्मीर की इकोनॉमी भी मजबूत होगी और पर्यटन को नई ताकत मिलेगी। इससे सेब, सूखे मेवे, पश्मीना शॉल, हस्तशिल्प जैसी वस्तुओं को देश के अन्य हिस्सों में जल्दी और सस्ते दामों में भेजना आसान होगा। इसके साथ ही, घाटी में हर दिन इस्तेमाल होने वाली चीजें भी अब कम लागत में पहुंच सकेंगी।

आरबीआई ने तो राहत दे दी, लेकिन क्या बैंक इसे लोगों तक पहुंचाएंगे?

संतोष कुमार पाठक

घरों की घटती बिक्री और अर्थव्यवस्था पर लगातार पड़ रहे दबाव के बीच भारतीय रिज़र्व बैंक ने बड़ा कदम उठाते हुए रेपो रेट में बंपर कटौती कर दी है। आर्थिक मामलों के जानकार, यह उम्मीद लगा रहे थे कि आरबीआई शुक्रवार को रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है लेकिन आरबीआई ने उम्मीद से ज्यादा राहत देते हुए इसमें आधा फीसदी की कटौती कर दी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इस बड़े फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि बहुमत से यह फैसला किया गया है। रेपो रेट में 50 बेसिस पॉइंट की कटौती के बाद अब यह 5.50 फीसदी हो जाएगा। इसके साथ ही आरबीआई ने कैश रिज़र्व रेशियो में एक प्रतिशत की कमी का भी ऐलान किया। इससे बैंकों के पास पैसा और बढ़ेगा, जिसका इस्तेमाल वे कर्ज बांटने में कर सकेंगे। भारतीय रिज़र्व बैंक ने लगातार तीसरी बार दरों में कटौती की है। आरबीआई ने फरवरी, अप्रैल और जून में यानी कुल मिलाकर रेपो रेट में तीन बार कटौती कर, इसमें 100 बेसिस पॉइंट्स घटा दिए हैं। रेपो रेट और कैश रिज़र्व रेश्यो में कटौती के आरबीआई के दोनों फैसलों को अगर साधारण भाषा में बताया जाए तो, इसका एकमात्र बड़ा उद्देश्य लोगों की जेबों तक ज्यादा से ज्यादा पैसा पहुंचाना है ताकि उनके पास खर्च करने के लिए अतिरिक्त पैसा बचे। अगर लोगों के पास पैसे बचेंगे तो वे खर्च करेंगे, जिससे बाजार में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था की विकास दर भी बढ़ेगी। लेकिन यह तभी संभव हो पाएगा जब बैंक पूरी ईमानदारी के साथ आरबीआई द्वारा की गई कटौतियों का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा पाएंगे। आरबीआई द्वारा रेपो रेट में की गई कटौती के बाद होम लोन लेने वाले लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। मोटे तौर पर अगर अनुमान लगाया जाए तो 20 लाख के लोन की ईएमआई में 600-715 रुपए तक की कटौती हो सकती है यानी एक साल में 8,400 और 20 वर्षों में कुल मिलाकर एक लाख 68 हजार रुपए के लगभग की बचत हो सकती है। वहीं 50 लाख तक के होम लोन की ईएमआई पर 1650-1755 रुपए तक की राहत मिल सकती है। अगर किसी ने 20 वर्षों के लिए इतनी राशि का होम लोन ले रखा होगा तो उसे 4 लाख रुपए से भी ज्यादा की बचत होगी। जाहिर तौर पर होम लोन उपभोक्ताओं को इससे बड़ी राहत मिलेगी, बशर्ते बैंक कागजी कार्यवाही में किंतु-परंतु करने की बजाय सीधे उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाए। आरबीआई के डेटा के मुताबिक, लगभग 40 फीसदी होम लोन EBLR अर्थात एक्सटर्नल बेंचमार्क लैंडिंग रेट से जुड़े हैं और उन्हें इस कटौती का तत्काल लाभ मिल जाना चाहिए। बैंकों को ऐसे उपभोक्ताओं को तुरंत राहत दे देनी चाहिए। इसके साथ ही बैंकों को होम लोन लेने वाले उन उपभोक्ताओं को भी राहत पहुंचाने के लिए काम करना चाहिए जो श्वक्चरुक्र से नहीं जुड़े हुए हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक सहित सभी सरकारी एवं प्राइवेट बैंकों को होम लोन उपभोक्ताओं को बार-बार ब्रांच दौड़ाने और कागजी कार्यवाही में फंसाने की बजाय तुरंत ऑनलाइन ही राहत दे देनी चाहिए।

आज का कार्टून

सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं विकास की यह यात्रा...

> बीते एक दशक में भारत न सिर्फ देश के अंदर के हालात बदले हैं बल्कि वैश्विक छवि भी सशक्त हुई है। 2023 में त्र20 की अध्यक्षता भारत ने 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के मंत्र के साथ की। विदेश यात्राओं, प्रवासी भारतीय सम्मेलनों और रणनीतिक साझेदारियों ने भारत को वैश्विक मंचों पर मजबूती से स्थापित किया। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन भारत की पर्यावरणीय कूटनीति का प्रमाण है। 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 के बालाकोट एयर स्ट्राइक ने भारत की रक्षा नीति को आक्रामक रूप दिया। इसका संदेश स्पष्ट था कि भारत अब चुप नहीं बैठेगा। 2019 में अनुच्छेद 370 की समाप्ति ने जम्मू-कश्मीर को भारत के संविधान की मुख्यधारा में शामिल किया। पहलगाम हमले के जवाब में हुए ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद की जड़ें हिला दी हैं। आतंकवाद के ठिकानों को मिट्टी में मिलाकर भारत ने दुनिया को संदेश दिया कि नया भारत अपने दम पर सीना तानकर खड़ा है।

अमित शर्मा

बीते एक दशक में भारत ने कई ऐतिहासिक मोड़ पार किए हैं। योजनाएं ज़मीन पर उतरीं, तकनीक गांव-गांव तक पहुंची, विश्व मंचों पर भारत की आवाज़ बुलंद हुई और सबसे बढ़कर- हर नागरिक के मन में देश के प्रति एक नई चेतना का संचार हुआ है। बीते 11 सालों में इस देश ने परिवर्तन की ऐसा प्रेरणादायक यात्रा तय की है जिसमें प्रत्येक निर्णय, प्रत्येक योजना और प्रत्येक उपलब्धि एक 'नवजागरण' का हिस्सा रही। कैसे 2014 से 2025 तक भारत ने खुद को विकास, विश्वास और विजय के पथ पर अग्रसर किया, आज इस बात पर दुनिया की निगाह है। बीता दशक एक सशक्त, स्वावलंबी, स्वाभिमानी भारत के पुनर्जागरण का गवाह बन गया है।

विकास की यह यात्रा सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है बल्कि गांव-गरीब तक सरकारी योजनाओं का पहुंचना अपने आप में बड़ा बदलाव है। यही वजह है कि भारत का मध्यम वर्ग अब सिर्फ़ एक आर्थिक श्रेणी नहीं, बल्कि देश की प्रगति का मेरुदंड बन चुका है। पिछले ग्यारह वर्षों में केंद्र सरकार ने कर राहत, शहरी व ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता और पेंशन सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में ठोस पहल कर गरवर्ग के जीवन को सम्मान, स्थायित्व और सशक्तिकरण से जोड़ा है। इसके अलावा विश्व पटल पर भी भारत आज मजबूती से खड़ा नजर आता है। लगातार की गई नीतिगत पहलें केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि जमीनी बदलाव की मिसाल बन गई हैं। चाहे वह स्वास्थ्य का बोझ कम करना हो, घर का सपना साकार करना हो या दुनिया में भारत की अलग पहचान बनना ये सब उपब्धियां भरोसे और उत्तरदायित्व से भरे शासन की परिचायक हैं।

बीते एक दशक में भारत न सिर्फ देश के अंदर के हालात बदले हैं बल्कि वैश्विक छवि भी सशक्त हुई है। 2023 में त्र20 की अध्यक्षता भारत ने 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के मंत्र के साथ की। विदेश यात्राओं, प्रवासी भारतीय सम्मेलनों और रणनीतिक साझेदारियों ने भारत को वैश्विक मंचों पर मजबूती से स्थापित किया। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन भारत की पर्यावरणीय कूटनीति का प्रमाण है।

2016 के सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 के बालाकोट एयर स्ट्राइक ने भारत की रक्षा नीति को आक्रामक रूप दिया। इसका संदेश स्पष्ट था कि भारत अब चुप नहीं बैठेगा। 2019 में अनुच्छेद 370 की समाप्ति ने जम्मू-कश्मीर को भारत के संविधान की मुख्यधारा में शामिल किया। पहलगाम हमले के जवाब में हुए ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद की जड़ें हिला दी हैं। आतंकवाद के ठिकानों को मिट्टी में मिलाकर भारत ने दुनिया को संदेश दिया कि नया भारत अपने दम पर सीना तानकर खड़ा है।

डिजिटल इंडिया अभियान ने प्रशासन, सेवाएं और नागरिकों के जीवन में तकनीकी क्रांति लाई। गांवों तक इंटरनेट, सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन उपलब्धता और डिजिटल भुगतान व्यवस्था ने एक नया युग शुरू किया। यूपीआई (क्क्ढ्ढ) के माध्यम से 2023 में भारत ने 100 अरब से अधिक लेनदेन किए, जिससे वह दुनिया में रियल टाइम डिजिटल भुगतान का अग्रणी देश बन गया।

मोदी सरकार ने 2030 तक 450 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा है। सौर, पवन और जल ऊर्जा में भारत ने बड़े निवेश किए। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन भारत और फ्रांस की साझेदारी में बना एक ऐसा मंच है, जो 100 से अधिक देशों को स्वच्छ ऊर्जा समाधान में सहयोग करने की सुविधा देता है।

2024 में अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन न केवल धार्मिक बल्कि राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बना। लाखों श्रद्धालुओं की आस्था को नया ठिकाना मिला। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और केदारनाथ पुनर्विकास तीर्थाटन को सुविधाजनक और समृद्ध बनाया। यह योजनाएं आस्था और आधुनिकता का सुंदर संगम थीं।

2025-26 के बजट में ऐतिहासिक कर सुधारों की घोषणा की गई। अब 12 लाख रुपए तक की सालाना आय पर (कुछ विशेष आयों को छोड़कर) कर नहीं लगेगा। इससे करोड़ों वेतनभोगी नागरिकों को राहत मिलेगी, भले ही इससे सरकार को 1 लाख करोड़ रुपए का राजस्व छोड़ना पड़े। सरल रिटर्न प्रक्रिया, पहले से भरे हुए फॉर्म और फेसलेस ई-असेसमेंट जैसे डिजिटल उपायों से कर अनुपालन में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। स्नङ्घ 2013-14 में 3.91 करोड़ व्यक्तिगत ढ्ढञ्जक्र फाइलिंग बढ़कर स्नङ्घ 2024-25 में 9.19 करोड़ तक पहुँच गई।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (क्करू्न्यढ्ढस्ह्म) के तहत हर साल 6,000 रुपए की सीधी सहायता 11 करोड़ से अधिक किसानों को दी गई। यह आर्थिक सहायता खेती की स्थिरता के लिए वरदान साबित हुई। फसल बीमा योजना और सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं ने ग्रामीण भारत को प्राकृतिक आपदाओं और जल संकट से लड़ने में मदद दी।

वस्तु एवं सेवा कर (त्रस्ञ्) की शुरुआत 2017 में 'एक राष्ट्र, एक कर' के सिद्धांत पर हुई। इसने राज्यों और केंद्र के जटिल टैक्स ढांचे को खत्म कर व्यापारिक सुगमता को बढ़ाया। हालांकि आरंभ में कुछ समस्याएं आईं लेकिन अब त्रस्ञ् को भारत के सबसे बड़े कर सुधारों में गिना जाता है। 2016 में लागू हुआ इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड बैंकों के फंसे कर्जों को सुलझाने और कॉर्पोरेट पारदर्शिता को बढ़ाने में अहम साबित हुआ। ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस (कारोबार करने की सुगमता) में भारत की रैंकिंग 2014 में 142 थी जो 2020 में 63 पर आ गई यह संकेत है कि सरकार ने लाइसेंस, मंजूरी और कारोबार की प्रक्रिया को सरल किया।

मोदी सरकार के कार्यकाल में सड़क निर्माण की गति 12 किमी/प्रतिदिन से बढ़कर 30 किमी/प्रतिदिन से अधिक हो गई। नई एक्सप्रेसवे और हाइवे ने शहरों को गांवों से जोड़ा और लॉजिस्टिक्स को नया आयाम दिया। उड़ान योजना ने 90 हवाई अड्डों को 625 रूट्स से जोड़ा है। 1.49 करोड़ से अधिक नागरिकों ने कम लागत वाली हवाई यात्रा की है। 2014 में 74 हवाई अड्डों वाला भारत अब 159 हवाई अड्डों का देश बन चुका है।

प्रधानमंत्री जन धन योजना (क्करूछ्वष्ठङ्घ) के तहत 55 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए, जिससे गरीब और पिछड़े वर्ग को पहली बार बैंकिंग से जोड़ा गया। उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन मिला। इससे स्वास्थ्य सुधरा और वनों पर दबाव घटा। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 4 करोड़ से अधिक पक्के घर बनाए गए, जिनमें बिजली, पानी, शौचालय जैसी सुविधाएं शामिल रहीं।

2014 में शुरू हुआ स्वच्छ भारत अभियान केवल शौचालय निर्माण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें जनमानस की सोच भी बदली। 11 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण के साथ ग्रामीण भारत में खुले में शौच की दर 39त्न से घटकर 1त्न से भी कम हो गई। आज देश में स्वच्छ भारत एक जनअभियान बन गया है। देश के प्रधानमंत्री स्वयं लोगों को जारूक करने के लिए सफ़ाई करते नजर आ चुके हैं।

आयुष्मान भारत योजना के तहत 40.84 करोड़ कार्ड जारी किए जा चुके हैं। 8.59 करोड़ से अधिक नागरिकों को 1.19 लाख करोड़ रुपए की स्वास्थ्य सेवाएं निशुल्क मिलीं। इसके अलावा जन औषधि योजना ने दवाओं को 50-80त्न कम कीमत पर उपलब्ध कराया है। 16,469 केंद्रों के ज़रिए रोज़ 10-12 लाख लोग लाभान्वित हो रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत ने 200 करोड़ से अधिक टीके लगाए और 'वैक्सीन मैत्री' के तहत 70 से अधिक देशों को टीके भेजे। ष्टशङ्खढ्ढहृ प्लेटफॉर्म ने डिजिटल स्वास्थ्य प्रबंधन की मिसाल कायम की।

कुल मिलाकर 2014 से 2025 का यह दशक भारत के लिए नीतिगत साहस, प्रौद्योगिकी आधारित विकास और राष्ट्रीय आत्मबल का युग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली ने देश के हर क्षेत्र में गहरे और दीर्घकालिक बदलाव लाए। इन 11 सालों में भारत की गति आर्थिक, सामाजिक और वैश्विक रूप से अप्रत्याशित बदल गई है। वित्तीय समावेशन और बुनियादी ढांचे के उन्नयन से लेकर साहसिक जियो पॉलिटिकल कदमों तक पीएम मोदी के दशक भर के शासन में ऐतिहासिक पहल देखी गईं जिसका लोहा आज दुनिया मान रही है।

हमारी मौलिकता में नई स्थापनाओं को जन्म दे रहा बदलाव

> ऐसा कई बार होता है कि हम किसी की पीड़ा को देखकर मुंह मोड़ लेते हैं। हम उस दृश्य, घटना से स्वयं को आबद्ध न करने का प्रयत्न करते हैं। लेकिन ऐसा पूरी तरह हो नहीं पाता। यह मानव श्रृंखला है। किसी की पीड़ा के दृश्य या घटना को देखते ही हमारा अंतर्मन उससे जुड़ जाता है। यह देखना केवल देखना नहीं होता। अनुभूत करना होता है- दो चीजों का टकराना। इस समय जो कुछ भी घटित हो रहा है, उसे देखना महज आंखों देखा हाल नहीं है। यह एक काव्यात्मक निगाह से निकट की चीजों को देखना है। हम यह देखने में लगे हैं कि कितने लोगों ने हमें देखा और ऐसा करके हम आगे निकल रहे हैं। घटनाओं में रुचियां तलाश रहे हैं।

शोभा जैन

आधुनिकता के आगमन के साथ हम यथार्थ के नए धरातल पर पहुंच गए। हमारी जरूरतें ही नहीं, गैरजरूरी चीजों की सूची भी बदल गई। मानवीय श्रम और मनुष्य की चेतना की गति, सीमा और विस्तार से बंधी। इसके बीच कोई नई तीसरी चीज नहीं है। यह सबके जीवन में समांतर चलती है। बावजूद इसके सबके जीवन के अनुभव भिन्न होते हैं। सुख के कारण और दुख की नियति भी भिन्न। मानव समाज हर तरह से युग्म के सिद्धांत पर चलता है। दो के बिना किसी तीसरी अवस्था या स्थिति का जन्म संभव ही नहीं। फिर यह इकहरापन क्यों विस्तार पा रहा? साहित्य ही क्यों, जबकि जीवन भी एकवचन नहीं है। यह बहुआयामी है। हां, इसके प्रति हम जरूर वचनबद्ध हो सकते हैं।

दो पत्थरों के रगड़ने से आग का निकलना। इसमें दोनों पत्थरों का होना जरूरी है और इससे एक तीसरी चीज नमूदार होती है- आग। जब आग पैदा होती है तो हर पत्थर का अस्तित्व दूसरे के महत्त्व को स्थापित करता है। ऐसे में किसी एक को अधिक महत्त्वपूर्ण और दूसरे को कम महत्त्वपूर्ण नहीं माना जा सकता। हर एक का अस्तित्व अपने साथ-साथ दूसरे को प्रकाशित करता है। जीवन का यथार्थ भी ऐसा ही संवेदन है। बिना किसी बौद्धिक बोझ के अपने स्वतः प्रवाह में टकराव नहीं, रगड़ पैदा होती है।

सच पूछा जाए तो अब जीवन न तो एक सीमित दायरे में व्यक्त होता है, न प्रकृति के अनुरूप। एक दूसरे पर आश्रित न रहने की वृत्ति ने एकाकी बना दिया। जीवन ऋतु-चक्रों पर पूर्णतया आश्रित भी नहीं रह गया, बल्कि प्रकृति पर वर्चस्व कायम करने की इच्छा बलवती हो रही। भीतर परनिर्भरता का मिथक तोड़ दिया गया। इस टूटने ने उस पुरानी लय को भी जीवन से विश्रृंखलित कर दिया। पहले जो चक्रीय था, अब वह अन्य ज्यामितिक संरचनाओं में ढलने लगा है। यही बदलाव हमारी मौलिकता में नई स्थापनाओं को जन्म दे रहा, लेकिन यह नयापन कितना सामाजिक-मानवीय होगा, कितना संवेदन? जुड़ाव क्या इतना अंतरंग है कि आग पैदा कर सके?

हम जिस समाज की बात करते हैं, वह समाज पूर्व के अनुभवों पर तैयार हुआ है। उसका कल भी उसी रगड़ से गुजरेगा। उस रगड़ में किसी एक के आधिक्य या दूसरे के कमतर होने की कोई गुंजाइश ही नहीं। वेदना से संवेदना तक मनुष्य के भीतर जो कुछ भी घटित होगा, वह दो लोगों के समान अस्तित्व से जन्मा है। ठीक उसी तरह, जिस तरह यह धरती पशु और वनस्पति के परस्पर आश्रित से दोनों के अस्तित्व को सुरक्षित रखती है। वह जीवन की उस गति को मूर्त करने का प्रयत्न करती है जो तप कर आकार लेती है। जीवन के बनने या परिपक्व होने के क्रम में, बल्कि क्रमिकता में असंख्य क्रमभंग मौजूद रहते हैं। कुछ अंतराल और विपरीत समन्वय से नए बोध भी। यह मनुष्य के सामाजिक होने की अनिवार्य शर्त भी है। अब लोग एक दायरे के बाहर नहीं जाते। जबकि समाज अपनी स्थानिकता से मजबूती से जुड़ा हुआ है। लेकिन घर में रहकर भी हमने एकल दुनिया बसा ली, जो शुरूआत में तो आकर्षक लगती है, लेकिन धीरे-धीरे भीतर से खोखला कर देती है। मगर हम तब भी नहीं ठहरते। सतही दृष्टि से देखकर आगे निकल जाते हैं। अंतर्बोध में जो एक व्यापक परिवर्तन आता है, वह चीजों को निकट से देखने पर ही आता है, लेकिन हम चलते-फिरते चार काम साथ में करते हुए देखते हैं कि कितने लोगों ने हमें देखा। वह जो हमारे बीच से होकर गुजर जाता है, ठहर नहीं पाता और हम कहते हैं, हमें तो पता ही नहीं। हमें पता ही नहीं कि वास्तविकता या यथार्थ क्या है। हम तो बस अपने लोकप्रिय होने के पैमाने को देखते हैं।

हमारा असली यथार्थ वही नहीं, जो हम जी रहे होते हैं। हमारा यथार्थ हमारे स्वप्नों, हमारी आकांक्षाओं, हमारी इच्छाओं, हमारे उन विकल्पों के भीतर भी छिपा रहता है, जिन्हें हम चुन नहीं सके। मगर वे हमारे भीतर उतने ही जीवंत और स्पंदनशील हैं। हम कभी घर के द्वार से गुजरते गीत गाते फकीर को सुन नहीं पाते। मंदिर की घंटियों के बीच से गाय का रंभाना हो या शहर की व्यस्ततम सड़कों की सूनी दोपहरें हम नहीं देख पाते। वह सब जिसने हमारे जीवन का परिवेश निर्मित किया। हम उसे महज एक दिनचर्या मानकर आगे निकल जाते हैं। उसके लिए जो कभी-कभी घटित होगा।

हम पूरी तरह अपनी स्वतंत्रता का स्वाद चखना चाहते हैं, लेकिन दूसरों के लिए जगह छोड़े बिना स्वयं की स्वतंत्रता का कोई मूल्य नहीं। आखिर दो अवयव ही समाज का जीवन का रसायन बनाते हैं। आंतरिक संगति हमारे जीवन में वीणा के तार छेड़ती है। अब हम पहले की तरह किसी से नहीं जुड़ते। हम अपने ही दुख को क्षणिक बना देते हैं- हर नए सुख के लिए आतुर। नियतिप्रद दुख के भीतर से जन्मे मृत्यु के सारे संस्कार औपचारिक नहीं हो सकते, जबकि दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को इससे गुजरना है। क्या हम दूसरे किसी की पीड़ा या दुख में अपनी किसी पीड़ा या सालती हुई स्मृति को देखने लगते हैं?

छत पर टंकी में उबलने लगा है पानी? इन आसान ट्रिक्स से रखें ठंडा...नहीं रहेगी जलने की टेंशन

जून की झुलसा देने वाली गर्मी में छत पर रखी टंकी का पानी भी खौलने लगता है। पानी इतना गर्म हो जाता है कि उसे इस्तेमाल करना भी मुश्किल हो जाता है। आइए जानें, छत पर रखी पानी की टंकी को ठंडा कैसे रखें?

गर्मी के मौसम में दोपहर तो क्या सुबह के वक्त भी घर से निकलना काफी मुश्किल हो जाता है। पिछले दिनों बारिश से तापमान में थोड़ी-सी गिरावट दर्ज की गई थी, लेकिन अब फिर से भीषण गर्मी पड़नी शुरू हो चुकी है।

छत पर रखी टंकी पर पूरे दिन सीधी धूप पड़ती है। इसकी वजह से टंकी में रखा पानी आग की तरह खौलने लगता है। गलती से अगर दोपहर के वक्त नल चलाकर पानी से हाथ धो लिए, तो जलने के पूरे चांस रहते हैं। ऐसे में आप 2 हैक्स की मदद से अपनी छत की टंकी को कूल-कूल रख सकते हैं। आइए जानें, छत पर रखी टंकी के पानी को गर्मी में कैसे ठंडा रखें?

इंसुलेटेड वॉटर टैंक कवर आएगा काम

गर्मी इतनी ज्यादा बढ़ चुकी है कि तापमान 40 डिग्री भी पार कर चुका है। तपता सूरज आग उगल रहा है, जिससे टंकी में रखा पानी भी उबलने लगता है। ऐसे पानी का इस्तेमाल करना मुश्किल होता है। इससे बर्तन या कपड़े भी नहीं धोए जा सकते। ऐसे में शाम होने तक टंकी के ठंडे होने का इंतजार करना पड़ता है। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं, तो आपको इंसुलेटेड वॉटर टैंक कवर का इस्तेमाल करना चाहिए। ये कवल धूप को सीधे टंकी पर पड़ने से रोकते हैं। इस कवर के इस्तेमाल से पानी गरम नहीं होता। इसे आप बाजार से आसानी से खरीद सकते हैं।

छत पर टंकी के लिए लगाएं शेड

अगर आप पानी की टंकी को हमेशा के लिए ठंडा रखने वाला एक परमानेंट जुगाड़ करना चाहते हैं, तो आपको छत पर एक शेड तैयार करवाना चाहिए। इससे टंकी हमेशा धूप के सीधे संपर्क में आने से बची रहेगी और पानी भी ठंडा रहेगा।

इन चीजों से ठंडा रखें पानी

अगर आप टंकी के पानी को ठंडा रखने के लिए पैसे खर्च नहीं करना चाहते हैं, तो आप थर्माकोल सीट, रेक्सीन या पुराने गद्दे को भी टंकी के आसपास लपेटकर उसे ठंडा रख सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा पैसे खर्च करने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।

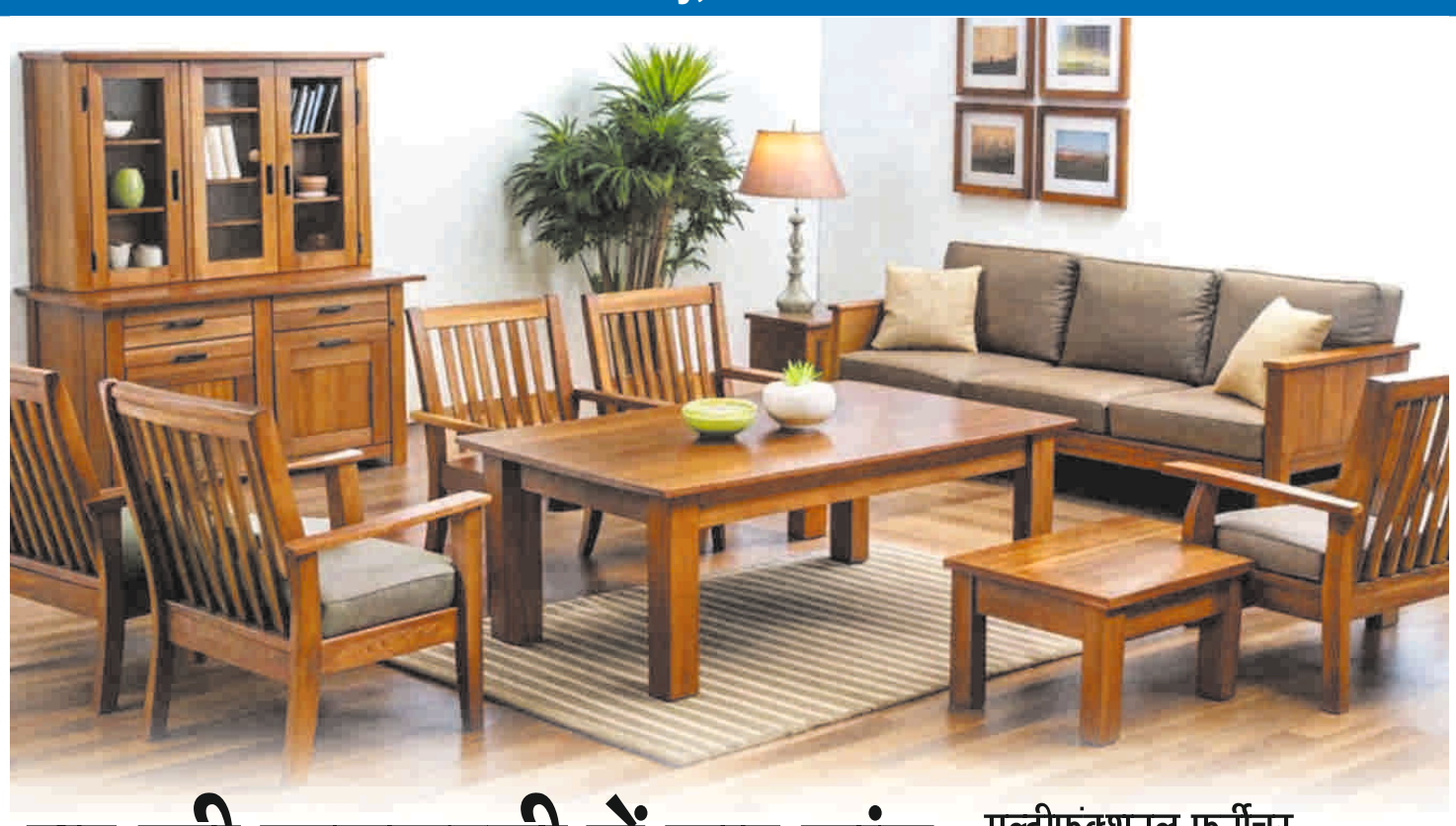

घर की खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए बेस्ट हैं ये फर्नीचर, कम जगह में भी हो जाएंगे एडजस्ट

घर की खूबसूरती को निखारने में अगर कोई कारगर चीज है, तो वह फर्नीचर होता है। इसका सही चुनाव आपके घर को चांद सा सजा सकता है। कुछ खास तरह के फर्नीचर हमेशा चलन में रहते हैं, लेकिन आज हम आपको ऐसे फर्नीचर के बारे में बताएंगे, जो कि कम जगह में भी फिट बैठ सकता है।

आजकल के आधुनिक घरों में जगह की कमी होती है, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि आप अपने घर को स्टाइलिश और आरामदायक नहीं बना सकती हैं। घर की खूबसूरती को निखारने के लिए आप अपने बेडरूम, लीविंग रूम से लेकर हॉल तक में अच्छी फर्नीचर लगा सकती हैं। सही फर्नीचर का चुनाव आपके छोटे से घर को भी बड़ा और आकर्षक लुक दे सकता है। ऐसे में, अगर आप अपने घर की खूबसूरती बढ़ाना चाहती हैं और जगह कम है, तो यह लेख आपके लिए है। यहां हम आपके लिए ऐसे बेहतरीन फर्नीचर आइडियाज लेकर आए हैं, जो न केवल आपके घर की शोभा बढ़ाएंगे, बल्कि कम जगह में भी आसानी से एडजस्ट हो जाएंगे। ये फर्नीचर पीस ऐसे डिजाइन किए गए हैं कि वे मल्टीफंक्शनल और आपकी हर जरूरत को पूरा कर सकें। चाहे आपका लिविंग रूम छोटा हो, बेडरूम में जगह कम हो या आपको अतिरिक्त स्टोरेज की जरूरत को पूरा कर सकते हैं। ये स्मार्ट और स्टाइलिश फ़र्नीचर समाधान आपके घर को ज्यादा व्यवस्थित और खूबसूरत बनाने में मदद करेंगे। तो आइए सर्राफ फर्नीचर के संस्थापक और सीईओ रघुनंदन सर्राफ से ऐसे ही कुछ शानदार फर्नीचर विकल्पों के बारे में जानते हैं, जो आपके घर को यूनिक लुक देने का काम कर सकते हैं।

क्लासिक लकड़ी का फर्नीचर

लकड़ी के फर्नीचर से उत्पन्न होने वाली गर्माहट ही इसकी लोकप्रियता का कारण है। इसका जीवंत स्वरूप और आरामदायकता किसी भी जगह में आकर्षण भर देती है। शीशम और आम जैसी उच्च गुणवत्ता वाली लकड़ी, अपनी टिकाऊपन और लकड़ी पर बनी आकर्षक बनावट के कारण कॉफी टेबल, साइडबोर्ड और बुकशेल्फ जैसे बेहतरीन फर्नीचर आइटम बनाती हैं। इस तरह के फर्नीचर सिर्फ आपके घर को सुंदर बनाने तक ही काफी नहीं होते हैं, बल्कि यह पीढ़ियों तक विरासत के रूप में भी टिकाऊ बने रहते हैं।

न्यूट्रल अपहोल्स्टर्ड सोफे

हर लिविंग रूम में एक सोफा जरूरी होता है और न्यूट्रल रंग का सोफा लिविंग रूम की सुंदरता को बढ़ाता है। बेज, ग्रे और हल्के भूरे रंग के न्यूट्रल अपहोल्स्टर्ड सोफे किसी भी रंग संयोजन में फिट होते हैं और उन्हें स्टाइल करना आसान होता है। इन्हें मौसमी रूप से स्टाइलिश थ्रो या चमकीले कुशन के साथ सजाया जा सकता है। एक न्यूट्रल सोफा एक अच्छी तरह से डिजाइन किए गए सोफे के लिए एकदम सही है, क्योंकि यह घर को सुंदर बनाता है। साथ ही, यह आरामदायक भी होता है, इसपर बैठने में दिक्कत नहीं होती है।

मल्टीफंक्शनल फर्नीचर

आजकल, लोग ऐसे मल्टीफंक्शनल फर्नीचर आइटम की तलाश में रहते हैं, जो कम जगह में फिट हो सकें और अन्य सामान भी स्टोर किए जा सकें। इसके लिए आप स्टोरेज वाला ओटोमन या नेस्टिंग टेबल, या एक कंसोल टेबल आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। ये सभी आइटम बहुउद्देशीय तो होते ही हैं और दिखने में भी आकर्षक लगते हैं। ये आइटम जगह को बचाने के लिए खासकर बनाए गए हैं।

एक्सेंट चेयर और स्टेटमेंट पीस

कभी-कभी एक कमरा को निखारने के लिए एक प्रभावशाली डिजाइन तत्व ही काफी होता है। इसके लिए आकर्षक बनावट और पैटर्न वाला एक्सेंट चेयर काफी अच्छा ऑप्शन हो सकता है। चाहे वह पुराना चमड़े का टुकड़ा हो या अधिक आधुनिक मूर्तिकला वाली कुर्सी, ये स्टेटमेंट चेयर दिखने में बेहद आकर्षक होती हैं। इन कुर्सियों में किसी भी जगह को सहजता से बदलने की शक्ति होती है।

ग्लास और मिरर

ग्लास और मिरर वाले फर्नीचर कम समय में सजावट के लिए बेस्ट आइटम हैं, क्योंकि वे अलग इफेक्ट दिखाते हैं, जो कमरे बड़ा दिखाने का काम करता है। साथ ही, कमरे में चमक भी लाता है। इससे कमरा बड़ा लगता है, जबकि कांच के शीर्ष वाली कॉफी टेबल लिविंग एरिया या किसी अन्य कमरे की जगह को ज्यादा भरे बिना एक हवादार एहसास प्रदान करती है।

लॉन्ग कुर्ती में दिखना है स्टनिंग तो पहले जान लें यह रूल्स

जब भी एथनिक वियर की बात होती है तो सूट का नाम लिया जाता है। हालांकि, इन दिनों आपको मार्केट में केवल कंप्लीट सूट सेट ही नहीं मिलता, बल्कि अलग से कुर्तियां भी अवेलेबल हैं, जिन्हें कई तरह से स्टाइल किया जा सकता है।

खासतौर से, लॉन्ग कुर्ती की मदद से आप ना केवल एथनिक लुक क्रिएट कर सकती हैं, बल्कि इंडो-वेस्टर्न स्टाइल को भी कैरी किया जा सकता है। इतना ही नहीं, आप केजुअल्स से लेकर आउटिंग यहां तक कि पार्टीज में भी इन लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल कर सकती हैं। आमतौर पर देखने में आता है कि महिलाएं इन लॉन्ग कुर्तीज को केवल लेगिंग्स के साथ पेयर करती हैं, हालांकि, इन्हें अन्य भी कई तरीकों से कैरी किया जा सकता है। इतना ही नहीं, हर बार आप एक ही लॉन्ग कुर्ती को कई अलग-अलग तरीकों से कैरी करके एक न्यू लुक क्रिएट कर सकती हैं। 3 जींस के साथ करें स्टाइल यह लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करने का एक सिंपल लेकिन बेहतरीन आईडिया है। जींस के साथ हर टाइप की कुर्ती बेहद ही स्टाइलिश लगती है। भले ही वह फ्रंट ओपनिंग कुर्ती हो या फिर प्रिंटेड कुर्ती। आप चाहें तो इस लुक में स्टनिंग एसेसरीज कैरी करके एक स्टाइल स्टेटमेंट क्रिएट कर सकती हैं या फिर स्कार्फ को भी इस आउटफिट के साथ पेयर किया जा सकता है।

श्रग में दिखेंगी स्टनिंग

अगर आप लॉन्ग कुर्ती को आउटिंग के दौरान कैरी कर रही हैं और अपने लुक से सबको इंप्रेस करना चाहती हैं तो ऐसे में आप इसके साथ श्रग कैरी कर सकती हैं। इस तरह आप अपने लुक में कलर ब्लॉकिंग कर सकती हैं। लॉन्ग कुर्ती विद श्रग स्टाइल में आप बॉटम वियर में लेगिंग्स से लेकर प्लाजो तक को पेयर कर सकती हैं। इसके साथ एक लॉन्ग पेंडेंट आपके लुक को खास बनाएगा।

सिगरेट पैंट्स के साथ करें पेयर

अगर आप ऑफिस में लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करना चाहती हैं तो ऐसे में आप सिगरेट पैंट्स के साथ इसे पेयर कर सकती हैं। इसमें मैचिंग कलर से लेकर कॉन्ट्रास्टिंग कलर दोनों ही काफी अच्छे लगते हैं। वहीं फुटवियर में आप हील्स के अलावा जूतियां भी पेयर कर सकती हैं।

शरारा के साथ करेंगी रॉक

यह लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करने का एक बेहतरीन आईडिया है। अगर आप पार्टी में लॉन्ग कुर्ती को पहनना चाहती हैं तो इसके साथ शरारा कैरी किया जा सकता है। यूं तो शरारा को कुर्ती के साथ मैचिंग कलर में सलेक्ट किया जा सकता है। लेकिन इसके अलावा, अगर आप चाहें तो व्हाइट या क्रीम कलर के शरारा को भी पेयर कर सकती हैं। इस लुक में चुनरी को भी कैरी किया जा सकता है। आप शरारा से मैचिंग चुनरी को पेयर करें। इसके साथ एसेसरीज में ब्रेसलेट काफी अच्छे लगते हैं।

लॉन्ग कुर्ती विद लेयर्ड स्कर्ट

अगर आप लीक से हटकर लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करना चाहती हैं तो ऐसे में आप लेयर्ड स्कर्ट को अपने लुक का हिस्सा बनाएं। इसमें आप सॉलिड कलर्स को सलेक्ट कर सकती हैं। साथ ही कलर कॉन्ट्रास्टिंग करके अपने लुक को खास बना सकती हैं। खासतौर से, लॉन्ग स्ट्रेट कट कुर्ती के साथ फ्लेयर्ड स्कर्ट की पेयरिंग का ऑप्शन बेहद खास लगता है। इस लुक में आप ओकेजन के अनुसार एसेसरीज को सलेक्ट कर सकती हैं।

किसी भी कपड़े में आपका लुक तभी अच्छा लगता है, जब वह रिंकल फ्री हों। अमूमन कपड़ों को रिंकल फ्री बनाने के लिए आयरन की मदद ली जाती है। हालांकि, पिछले कुछ समय से क्लॉथ स्टीमर के इस्तेमाल का चलन भी काफी बढ़ गया है। इसमें भाप की मदद से कपड़ों की सिलवटों को हटाया जाता है। चूंकि इन्हें इस्तेमाल करना काफी आसान होता है, इसलिए अधिकतर लोग क्लॉथ स्टीमर का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

क्लॉथ स्टीमर का इस्तेमाल करते हुए नहीं करनी चाहिए ये पांच गलतियां

क्लॉथ स्टीमर पानी को गर्म करके भाप में बदल देते हैं और जब आप बटन दबाते हैं, तो भाप एक केंद्रित जेट में बाहर निकलती है। उस भाप से सिलवटें गायब हो जाती हैं। अमूमन क्लॉथ स्टीमर को इसलिए भी काफी पसंद किया जाता है, क्योंकि इससे ना केवल कपड़े, बल्कि परदों व फर्नीचर पर चढ़े हुए कपड़ों को भी आसानी से रिंकल फ्री बनाया जा सकता है। क्लॉथ स्टीमर बेहद ही यूजफुल होते हैं, लेकिन उन्हें सही तरह से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी होता है। अमूमन क्लॉथ स्टीमर का इस्तेमाल करते समय लोग कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए।

बहुत जल्दी शुरू करना

अमूमन यह देखने में आता है कि जब लोग क्लॉथ स्टीमर का इस्तेमाल करते हैं तो उसका बटन दबाते ही तुरंत इस्तेमाल करना शुरू कर देता है। जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। क्लॉथ स्टीमर को गर्म होने और उपयोग के लिए तैयार होने में कुछ समय लगता है। इसे स्टार्ट करने के बाद भाप को कम से कम 30 सेकंड के लिए हवा में छोड़ें जब तक कि यह समान रूप से बाहर न आ जाए। इससे स्टीमर को किसी भी पानी के अवशेष को बाहर निकालने की अनुमति मिलती है, जो पिछली बार इस्तेमाल किए जाने के बाद से नोजल में अभी भी हो सकता है।

हार्ड वॉटर का इस्तेमाल करना

अमूमन क्लॉथ स्टीमर का इस्तेमाल करते हुए उसमें पानी को डाला जाता है। हालांकि, इसमें कभी भी नल के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसमें मिनरल्स होते हैं, जो समय के साथ क्लॉथ स्टीमर को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए, मिनरल बिल्डअप को रोकने के लिए डिस्टिल्ड वाटरका उपयोग करें जो स्टीमर को क्लॉग नहीं करता है।

एक ही जगह पर बहुत देर तक भाप देना

कई बार यह देखने में आता है कि लोग जब क्लॉथ स्टीमर का इस्तेमाल करते हैं, तो उसे एक ही जगह पर बहुत देर तक रखते हैं। जबकि आपको यह गलती नहीं करनी चाहिए। स्टीमर को बहुत देर तक एक ही जगह पर रखने से पानी के धब्बे पड़ सकते हैं या कपड़ा जल भी सकता है। इसलिए, स्टीमर को कपड़े पर लगातार घुमाते रहें।

स्टीमर गलत तरीके से पकड़ना

क्लॉथ स्टीमर से आपको बेस्ट रिजल्ट मिले, इसके लिए आपको उन्हें सही तरह से पकड़ना और इस्तेमाल करना आना चाहिए। कभी भी स्टीमर की धातु की प्लेट को कपड़े के समानांतर न रखें, बल्कि इसे थोड़ा नीचे की ओर रखें। इससे भाप बेहतर तरीके से फैलती है और आपके कपड़ों पर बूंदों के गिरने का जोखिम कम होता है। साथ ही, प्लेट को बहुत दूर न पकड़ें।

वॉटर टैंक को ओवरफिल करना

क्लॉथ स्टीमर को इस्तेमाल करते समय पानी की आवश्यकता होती है। लेकिन वाटर टैंक को ओवरफिल नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे लीकेज या पानी का रिसाव हो सकता है। हमेशा वाटर टैंक पर बताई गई फिल लाइन का पालन करें।

अदिति राव हैदरी के साथ पहली बार दिखेंगे पंकज त्रिपाठी

सिनेमाई पर्दे के दिग्गज अभिनेता पंकज त्रिपाठी अब अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के साथ पहली बार ऑन स्क्रीन पर नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में हंसी, प्यार और नोंकझोंक का शानदार मिश्रण दिखने वाला है, जिसमें लखनऊ की तहजीब और संस्कृति की महक भी दिखेगी। आइए जानते हैं किस फिल्म में साथ दिखेंगे पंकज त्रिपाठी और अदिति राव हैदरी।

क्या है अपकमिंग फिल्म का नाम?

पंकज त्रिपाठी और अदिति राव हैदरी अभिनीत इस आगामी फिल्म का नाम पारिवारिक मनुरंजन है, जिसे भानुशाली स्टूडियो लिमिटेड और् फिल्म्स के सहयोग से तैयार किया जाएगा। आज गुरुवार के दिन इस फिल्म की आधिकारिक रुप से लखनऊ में शूटिंग शुरू हो गई है। यह फिल्म रोमांस, संस्कृति, भाषा और खान-पान के शहर लखनऊ की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी, जिसमें कॉमेडी का शानदार मिश्रण दिखेगा। इस फिल्म के बारे में बात करते हुए पंकज त्रिपाठी ने कहा, 'स्क्रिप्ट में कुछ ऐसा था जो बेहद आकर्षक और सरल था, इसलिए मैं मना नहीं कर सका। यह एक ऐसी कहानी है जो अपनी गर्मजोशी के साथ आपके अंदर समा जाती है। अदिति के साथ काम करने का यह मेरा पहला मौका है और मैंने हमेशा से ही उनके अभिनय कौशल की प्रशंसा की है।' इसके अलावा अदिति राव हैदरी ने कहा, 'जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैं मुस्कुराती रही। मेरे लिए इस ब्रह्मांड में ऐसी कहानी मिलना दुर्लभ है। पंकज सर के साथ काम करना एक शानदार अनुभव होन वाला है।' पंकज त्रिपाठी और अदिति राव हैदरी अभिनीत फिल्म पारिवारिक मनुरंजन का निर्देशन वरुण वी. शर्मा द्वारा किया जाएगा। वहीं इस फिल्म को विनोद भानुशाली और हिमांशु मेहरा द्वारा निर्मित किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश की पुलिस अफसरों से प्रेरणा लेकर श्रिया पिलगांवकर ने छल कपट में निभाया इंस्पेक्टर का किरदार

एक्ट्रेस श्रिया पिलगांवकर इन दिनों वेब सीरीज छल कपट- द डिसेप्शन को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में वह पुलिस अफसर देविका राठौड़ की भूमिका में हैं। अपने किरदार को प्रभावशाली बनाने के लिए श्रिया ने उत्तर प्रदेश की महिला पुलिस अफसरों से मुलाकात की। इस कड़ी में उन्होंने एडीजी पद्मजा चौहान से भी बातचीत की। इसके दौरान उन्हें 1090 के बारे में भी बताया गया। यह उत्तर प्रदेश में महिलाओं की मदद के लिए शुरू की गई एक हेल्पलाइन सेवा है, जहां महिलाएं किसी भी परेशानी या उत्पीड़न की शिकायत कर सकती हैं।

श्रिया ने लखनऊ में बिताए पलों के बारे में कहा, लखनऊ की खूबसूरती हमेशा बनी रहती है। मैं पहले भी शूटिंग के लिए कई बार लखनऊ आ चुकी हूं। मुझे इस शहर की संस्कृति, यहां के लोग और लजीज खाना बेहद पसंद है। उन्होंने महिला पुलिस अधिकारियों से हुई अपनी बातचीत के बारे में कहा, जो बात मेरे दिल को सबसे ज्यादा छू गई, वह इन बहादुर महिला अफसरों से मिलना और 1090 हेल्पलाइन के बारे में जानना था। यह सिर्फ एक कॉल सेंटर नहीं है, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश की महिलाओं के लिए एक जीवन रेखा है। मैं इस बात से काफी प्रभावित हुई कि यह सिस्टम कितने बड़े पैमाने पर काम करता है, और कैसे ये महिला अधिकारी कई मुश्किल हालात में फंसी महिलाओं की कॉल्स को बहुत संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से संभालती हैं।

श्रिया ने बताया कि लखनऊ का अनुभव और महिला पुलिस अफसरों से मुलाकात ने उन्हें अपने किरदार देविका को और गहराई से समझने में मदद की। उन्होंने कहा, इस अनुभव ने मुझे अपने किरदार से और ज्यादा जुड़ाव महसूस करवाया। देविका सिर्फ एक पुलिस अफसर नहीं हैं, बल्कि वह एक ऐसी महिला हैं जो अपने दुख और अतीत का बोझ भी उठाए हुए है, फिर भी न्याय के लिए मजबूती से खड़ी है। मुझे उम्मीद है कि जब लोग यह सीरीज देखेंगे, तो देविका की भावनाओं को महसूस कर सकेंगे। छल कपट- द डिसेप्शन की कहानी बुरहानपुर के पास एक गांव की है। यह एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर लड़की की मौत हो जाती है। शुरू में सब इसे आत्महत्या मानते हैं। लेकिन पुलिस जांच में कई बड़े राज खुलते हैं, जिससे कहानी और भी पेचीदा हो जाती है। इस सीरीज में काम्या अहलावत, रागिनी द्विवेदी, तुहिना दास, याहवे शर्मा, प्रणय पचौरी, स्मरण साहू और अनुज सचदेवा जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। इसे जगनींट प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया गया है। यह सीरीज जी5 पर उपलब्ध है।

डेब्यू फिल्म की शानदार ओपनिंग का सोनम ने मनाया जश्न, टाइगर श्रॉफ ने दी बधाई

बॉलीवुड में हाल ही में कदम रखने वाली पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा इन दिनों अपनी पहली हिंदी फिल्म हाउसफुल 5 की सफलता का जश्न मना रही हैं। हालांकि फिल्म तो मिले-जुले रिएक्शन्स मिल रहे हैं लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म अच्छे आकंड़े लेकर आ रही है। बस इसी खुशी का जश्न को सोनम बाजवा ने अपनी आने वाली फिल्म के सेट पर मनाया। बागी 4 के सेट से सामने आए वीडियो में सोनम बाजवा बेहद खुश नजर आ रही हैं। फिल्म की ओपनिंग डे पर कमाई 24.35 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई, जिसे लेकर सभी बेहद उत्साहित थे। सोनम के साथ मौजूद टाइगर श्रॉफ ने भी इस मौके पर खास मैसेज दिया और कहा, 'हाउसफुल 5' की टीम को इतने जबरदस्त रिस्पॉन्स के लिए बधाई। सजिद सर, संजय सर और खूबसूरत सोनम को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' सोनम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'हाउसफुल 5' हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। ये मेरा पहला बॉलीवुड प्रोजेक्ट है और इससे बेहतर स्वागत मैं सोच भी नहीं सकती थी। सजिद सर और पूरी टीम का तहेदिल से शुक्रिया।'

कहानियों को क्रिएटिव ढंग से बयां करेंगी एकता कपूर, नेटफ्लिक्स से मिलाया हाथ

मनोरंजन जगत की दिग्गज निर्माता एकता कपूर, जिन्होंने टेलीविजन और फिल्मों में अहम योगदान दिया है। अब निर्माता की बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड और ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स कहानियों को अलग-अलग जॉनर में क्रिएटिव ढंग से पेश करेंगे। निर्माता ने कहा इस सहयोग से एंटरटेनमेंट की दुनिया में एक अलग सफर की शुरुआत होगी।

इस रचनात्मक सहयोग पर एकता कपूर ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 'बालाजी टेलीफिल्म्स में, कहानी सुनाना हमेशा से ही हमारे हर काम के केंद्र में रहा है, चाहे वह सिनेमा, टेलीविजन या डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से हो।' आगे उन्होंने कहा कि नेटफ्लिक्स के साथ आना उनके लिए एक बड़ा क्षण है और यह एक रोमांचक नए अध्याय का प्रतीक है। इसके जरिए वो क्रिएटिव कंटेंट पेश करेंगी, जो मनोरंजन करे, प्रेरित करे और हर जगह से लोगों को जोड़े।

मोनिका शेरगिल ने कही ये बात

इस सहयोग के बारे में बात करते हुए नेटफ्लिक्स इंडिया के कंटेंट टीम की उपाध्यक्ष मोनिका शेरगिल ने कहा कि एकता कपूर मनोरंजन की दुनिया में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं। जिन्होंने दो दशकों से अधिक समय से भारत द्वारा देखे जाने और पसंद किए जाने वाले शो को एक अलग पहचान दिलाई। साथ ही उन्होंने कहा कि नेटफ्लिक्स के जरिए उन्होंने अलग-अलग उम्र के दर्शकों का मनोरंजन किया है। अब इस सहयोग से अनूठी कहानियों को शानदार तरीकों से पेश किया जाएगा, जो एक क्रिएटिव सफर की शुरुआत होगी।

एकता कपूर के बारे में

एकता कपूर फिल्म और सीरियल की दुनिया का जाना माना नाम हैं। अभी हाल ही में एकता कपूर ने कुल्ल वेब सीरीज का निर्माण किया था। वहीं इस समय निर्माता अपने आगामी प्रोजक्ट नागिन 7 में भी व्यस्त हैं। इसके साथ ही आपको बताते चलें कि बालाजी और नेटफ्लिक्स ने पहले भी कई शीर्षकों पर साथ में काम किया है, जिनमें 'कथल', 'पगलैट', 'जाने जां' और 'डॉली किट्टी' और 'वो चमकते सितारे' शामिल हैं।

दीपिका पादुकोण के वर्किंग ऑवर्स विवाद पर बोले राणा दग्गुबाती

एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के बीच काम के घंटों को लेकर विवाद सामने आया। इसी मुद्दे पर अब एक्टर राणा दग्गुबाती ने अपनी राय रखी है। द लल्लनटॉप से बात करते हुए राणा दग्गुबाती ने कहा, 卐हमें यह समझना चाहिए कि भारत एक विकासशील देश है। हम अभी विकसित देश नहीं हैं। अगर आप प्रति व्यक्ति आय देखें, तो हमारी अर्थव्यवस्था दुनिया में शायद 186वें नंबर पर है। 卐 राणा दग्गुबाती ने आगे ये भी कहा, मैं तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री से आता हूं, जो पहले मद्रास (चेन्नई) में थी। उस समय कई परिवारों और सैकड़ों लोगों ने अपना सामान समेटा और एक शहर से दूसरे शहर जाकर काम शुरू किया। इसलिए मेरे लिए यह सिर्फ काम नहीं है, बल्कि एक जीवनशैली है। यह हर प्रोजेक्ट और हर इंसान पर भी निर्भर करता है और हर राज्य के अपने नियम-कानून होते हैं।

राणा दग्गुबाती ने यह भी बताया कि अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री में काम के घंटे अलग होते हैं। उन्होंने कहा, जैसे महाराष्ट्र में 12 घंटे की शिफ्ट होती है, जबकि तेलुगु इंडस्ट्री में 8 घंटे की। लेकिन महाराष्ट्र में काम सुबह 9 बजे शुरू होता है, तेलुगु में सुबह 7 बजे। लोकेशन कौन सी है, किस शहर में शूट हो रहा है, सेट पर हो रहा है या स्टूडियो में ये सब चीजें भी फर्क डालती हैं। राणा ने आगे ये भी कहा, यह कोई एक जैसा नियम नहीं है। सेट पर शूट करने के लिए ज्यादा तैयारी चाहिए, जबकि स्टूडियो में थोड़ा आराम मिलता है। इसलिए यह हर प्रोजेक्ट के हिसाब से अलग होता है। आप इसे एक जैसा समझ रहे हैं, लेकिन यह ऐसा नहीं है। हम एक ऐसे देश में रहते हैं जहां 1.8 अरब लोग हैं। इनमें से 70-80% लोग रोजाना सिर्फ 100 रुपए कमाते हैं। जब हम इन बातों को इस नजरिए से देखेंगे, तो समझ आएगा कि हमें अभी बहुत आगे जाना है।

हर एक्टर अपनी मर्जी से काम करता है जब ये सवाल पूछा गया कि क्या एक्टर्स को जबरदस्ती लंबे समय तक सेट पर रोका जाता है, तो राणा ने कहा, किसी को भी मजबूर नहीं किया जा रहा। यह एक नौकरी है। जैसे कोई आपको यह शो करने के लिए जबरदस्ती नहीं कह सकता, वैसे ही यहां भी कोई मजबूरी नहीं है। यह हर किसी की अपनी पसंद है। हर इंसान तय करता है कि उसकी जिंदगी में क्या सबसे अहम है। कुछ एक्टर्स ऐसे हैं जो सिर्फ 4 घंटे काम करते हैं, यह उनका तरीका है काम करने का। बता दें कि दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर खूब चर्चा में हैं। उन्हें फिल्म स्पिरिट से बाहर कर दिया गया था। इसी बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि एक्ट्रेस को कल्कि 2 से भी हटाया जा सकता है। हालांकि, कुछ लोगों ने इन खबरों को फर्जी करार दिया है। इस बीच अल्लू अर्जुन और एटली कुमार की आने वाली फिल्म में दीपिका को कास्ट कर लिया गया है। खास बात यह है कि अब इस फिल्म में उनकी फीस को लेकर कई तरह के दावे सामने आ रहे हैं, जिन्हें कुछ लोग एक सोची-समझी रणनीति भी बता रहे हैं।

गौरी मेरी जिंदगी में सुकून लाती है

मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहलाने वाले आमिर खान हमेशा किसी न किसी कारण सुर्खियां जगाते रहते हैं। कुछ अरसे से अपनी जिंदगी की नई मोहब्बत गौरी स्प्रैट को लेकर चर्चा जगाने वाले आमिर इन दिनों अपनी फिल्म सितारे जमीन पर के लिए भी चर्चा में बने हुए हैं। डाउन सिंड्रोम का सामना कर रहे लोगों की कहानी कहने वाली ये फिल्म आमिर की तारे जमीन पर का सीक्वल है।

हाल ही में आप जब तीसरी बार गौरी स्प्रैट के प्रेम में पड़े, तो क्या वो प्यार की ताकत थी, जिसे छुपाने के बजाय आपने डंके की चोट पर उसका ऐलान किया? आम तौर पर ऐसे हालात में लोग झिझकते हैं, छुपाते हैं।

आमिर खान बोले- मुझे प्यार को छुपाना अच्छा नहीं लगता, अगर मैं किसी का हाथ थाम कर आगे बढ़ रहा हूं और लोगों को ये बात नहीं बता रहा हूं, तो फिर इसका मतलब ये है कि मैं उन्हें पब्लिकली इज्जत नहीं दे रहा हूं। मेरे हिसाब से ये सही नहीं है। मेरा मानना है कि मेरी इज्जत और उसकी इज्जत में कोई फर्क नहीं है। मैं अगर ऐसा कोई कदम उठाऊं, जहां मैं अपने पार्टनर के बारे में न बोलूं, तो जाहिर है, उसका दिल दुखेगा, तो मेरी कोशिश यही रहती है कि मैं ऐसा कोई काम न करूं। मेरी अम्मी ने सिखाया है कि किसी का दिल नहीं दुखाना चाहिए।

साठ साल की उम्र में आपने एक तरह से प्यार को रीडिफाइन ही नहीं किया बल्कि उस टैबू को भी तोड़ा, जहां पर माना जाता है कि प्यार एक खास उम्र के लोगों को ही हो सकता है, तो आपकी पार्टनर गौरी आपको कैसे परिपूर्ण करती हैं?

-ये बहुत ही खूबसूरत सवाल है। दिल तो बच्चा है जी, (मुस्कुरा देते हैं) गौरी स्प्रैट जो हैं, वो स्वभाव की बहुत ही शांत हैं और बेहद अच्छे नेचर की हैं। वह हर चीज को संतुलित ढंग से करती हैं। मैं उनके एकदम उलट हूं। मैं एक तरह से एक्सट्रीमिस्ट हूं। मैं 36 घंटे एक साथ काम करता हूं, फिर मैं 36 घंटे सोता रहता हूं। मेरी जिंदगी भी ऐसी है कि मैं गायब दिमाग हूं। अपने ख्यालों में खोया रहता हूं, तो मैं और गौरी एक-दूसरे के बिलकुल विपरीत हैं, मगर इसी को कहा जाता है, ऑपोजिट्स अट्रैक्ट। वह मेरी जिंदगी में स्थायित्व लाती हैं, मुझे संतुलित करती हैं। वह मेरी जिंदगी में सुकून और शांति लाती है और मैं ऐसा मानता हूं कि मैं उनकी जिंदगी में एक्साइटमेंट लाता हूं। मैं चाहता हूं कि मेरे कारण उनके जीवन में उत्तेजना बनी रहे।

इन दिनों इंडस्ट्री में 8 घंटे की शिफ्ट को लेकर बहस चल पड़ी है। कुछ लोग इसे वाजिब मानते हैं, मगर कुछ लोगों का कहना है कि फिल्म मेकिंग जैसे सृजनात्मक क्षेत्र में ये संभव नहीं है। आप क्या मानते हैं?

-देखिए, 8 घंटे तो हर इंसान को काम करना चाहिए। चाहे आप न्यूरो डायवर्जेंट(ऐसा दिमाग जो अलग तरह से काम करता हो) हों या न हों। मैं एक आदर्श स्थिति की बात कर रहा हूं। मगर जीवन में संतुलन बहुत जरूरी है। आप 8 घंटे सोते हैं, 8 घंटे काम करते हैं और फिर 8 घंटे बाकी के काम करने के लिए होते हैं, तो आइडली दिन के 24 घंटों को तीन भागों में विभाजित किया जाना चाहिए, लेकिन आज समाज इतना तेज चलता है कि हम लोग अपनी जिंदगी में हर चीज तेज चाहते हैं, तो हम लोग तेज भागते हैं। इस चक्कर में 8 घंटे 10 से बारह हो जाते हैं। एक समय ऐसा भी था, जब मैं 16-16 घंटे काम किया करता था। मगर अब पिछले 3-4 सालों में मैंने खुद को बदलने की कोशिश की है। मैं कोशिश करता हूं कि मैं 8 घंटे काम करूं, 8 घंटे सोऊं और 8 घंटे अपने परिवार संग बिताऊं, तो ये मुझमें काफी बड़ा बदलाव आया है बीते कुछ समय से।

अपनी ताजातरीन फिल्म सितारे जमीन पर डाउन सिंड्रोम से जूझने वाले लोगों पर आधारित है और आपने इस फिल्म के लिए वास्तविक लोगों को ही कास्ट किया, तो आपके लिए चुनौतियां क्या थीं?

-मुझे इंडस्ट्री में 30-35 साल हो गए हैं और मैं तकरीबन 45 फिल्मों में काम कर चुका हूं। मैंने अपने करियर में देखा है कि अक्सर सेट पर आपके झगड़े या क्रिएटिव मतभेद जरूर होते हैं। कई बार ईगो प्रॉब्लम भी सामने आती है, मगर इस फिल्म (सितारे जमीन पर) के दौरान ऐसा एक बार भी नहीं हुआ क्योंकि जब ये दस न्यूरो डायवर्जेंट लोग सेट पर आते तो इतना सारा प्यार बांटते और काम को लेकर इतने एक्साइटेड होते कि सभी कुछ सहज और सरल हो जाता था। ये सभी लोग दूसरे आर्टिस्ट की तरह अपनी लाइंस भी याद करके आते थे, तो किसी तरह की कोई चुनौती नहीं थी।

झुंझुनूं की गोपाल गोशाला में बचेगा बरसात का पानी, जानें पूरी तकनीक

झुंझुनू। झुंझुनूं शहर की गोपाल गोशाला में अब बरसात का पानी बहकर नालों में नहीं जाएगा। बरसाती पानी को वापस जमीन में डाला जाएगा। इसके लिए वहां पर 120-120 फीट के दो वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए गए हैं। इनके ऊपर फिल्टर करने के लिए पत्थर रोड़ी व अन्य सामग्री लगाई गई है। एक सिस्टम पर सबसे ऊपर बड़े आकार के बारह छेद छोड़े गए हैं। सबसे पहले पानी बारह छेदों में जाएगा। यहां से पत्थर रोड़ी के मिक्सर में जाएगा। ?पानी के साथ आने वाली मिट्टी यहीं पर जमा हो जाएगी। इसके बाद पानी फिल्टर होकर 120 फीट के बोरवेल में चला जाएगा। इस बोरवेल से पानी निकाला नहीं जाएगा, ब?ल्कि इसमें केवल पानी डाला जाएगा। कुछ सालों के बाद आस-पास के क्षेत्र में भूजल स्तर बढ़ेगा। साथ ही पानी की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। शनिवार 7 जून 2025 को पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वम्भर पूनिया व जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने दोनों वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का लोकार्पण किया। इसके बाद अतिथियों ने गोशाला का अवलोकन किया। इनमें गायों के स्नान हेतु लगाए गए स्प्रिंकलर सिस्टम, निर्माणाधीन बायोगैस प्लांट एवं कबूतर खाना सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। चौधरी ने गोवंश को गुड़, हरा चारा, हरी सब्जियां एवं गेहूं के आटे से बनी रोटियां खिलाई। उन्होंने एक बार गुड़ व अन्य सामग्री तथा दूसरी बार हरी चरी का तुलादान किया।

पानी के बिल कम करने की मांग

इस दौरान गोशाला के पदाधिकारियों ने जल उपभोग पर वाणिज्यिक दरों पर 5 गुना अधिक बिल लेने को गलत बताते हुए इससे कम या माफ करने की मांग की। गोशाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया ने अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारी लाल सैनी, शुभकरण चौधरी, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ शिवरतन,डॉ भरत सिंह,कमलकांत शर्मा, इंजीनियर प्यारेलाल ढूकिया, कृष्ण गावड़िया, ताराचंद गुप्ता, प्रमोद जानू, अरुणा सिहाग, सचिव नेमी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजकुमार तुलस्यान, आनंद टीबड़ा, विपिन राणासरिया व गणेश हलवाई चिडावा वाला सहित अनेक लोग मौजूद रहे। संचालन डी.एन.तुलस्यान ने किया।

सरकारी भवनों की सुध नहीं

निजी भवनों में तो पानी बचाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन अधिकतर स्कूलों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम फेल हैं। कहीं पाइप टूट चुके तो कहीं उनको टैंक से नहीं जोड़ा जा रहा। कहीं टैंक व पाइप सही हैं लेकिन उनको नालों से नहीं जोड़ा जा रहा।

प्रदेश में बढ़ा गर्मी का असर, 11 तक कई जगह लू चलने की संभावना

जयपुर। पिछले सप्ताह हुई बारिश के बाद अब गर्मी का असर फिर से बढ़ने लगा है। मौसम विभाग ने 11 जून तक कई संभागों में हीटवेव या लू चलने की संभावना जताई है। अगले दो दिन तक श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश में गर्मी का असर बढ़ने से सोमवार को नौ जिलों में हीटवेव का येलो अलर्ट है, जिसमें तापमान में एक से दो डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। अगले दिन मंगलवार को भी कुछ शहरों में तापमान 46 डिग्री से ऊपर जा सकता है। वहीं, पिछले 24 घंटे में अधिकांश हिस्सों में तेज धूप के साथ गर्मी बनी रही। रविवार को जयपुर 43.5 डिग्री, श्रीगंगानगर में 47.4 डिग्री, बीकानेर में 46 डिग्री, बाड़मेर में 45.9, चूरू में 45.6, फलोदी में 45.4, जैसलमेर में 45.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने और उत्तर पश्चिमी भागों में 11 जून तक अधिकतम तापमान 45 से 47 डिग्री रहने और लू चलने की संभावना जताई है। इसके साथ ही धूल भरी तेज हवाएं भी चल सकती हैं। हीटवेव के अलर्ट में नौ जून को गंगानगर और हनुमानगढ़ में ऑरेंज अलर्ट, बीकानेर, जैसलमेर, चूरू, झुंझुनूं, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली और सवाईमाधोपुर में येलो अलर्ट, दस जून को गंगानगर और हनुमानगढ़ में ऑरेंज अलर्ट, बीकानेर, चूरू, झुंझुनूं, अलवर, भरतपुर, धौलपुर और करौली में येलो अलर्ट तथा 11 जून को गंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

बिजली वितरण का ढांचा चरमराया, आमजन हुआ त्रस्त : बिजली कटौती को लेकर अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार पर साधा निशाना

जयपुर। राजस्थान में बिजली कटौती और बिजली सप्लाई को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार पर निशाना साधा है। गहलोत ने कहा है कि तुम्हारी फाइलों में गाँव का मौसम गुलाबी है, मगर ये आंकड़े झूठे हैं ये दावा किताबी है। भारतीय जनता पार्टी की राजस्थान में सरकार बनने का एक वर्ष पूरा होने पर ज़ोर शोर से प्रचार किया गया कि राजस्थान अब बिजली में सरप्लस स्टेट हो गया है, लेकिन जैसे ही गर्मी बढ़ने लगी गांव-शहर हर जगह बिजली कटौती शुरू हो गई। सरप्लस स्टेट में बिजली कटौती का सीधा अर्थ सरकार का कुप्रबंधन है। राजस्थान में बिजली वितरण का ढांचा चरमरा गया है जिससे आमजन त्रस्त हो गया है।

अशोक गहलोत ने हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के नए परिसर में शिफ्ट होने पर जताई प्रसन्नता

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजधानी जयपुर में स्थित हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के अपने नए अकादमिक परिसर में शिफ्ट होने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। गहलोत ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कहा यह मेरे लिए बेहद प्रसन्नता का विषय है कि हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय अपने नए अकादमिक परिसर में शिफ्ट हो गया है।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने हैदराबाद के जीएसआई में "नेक्स्ट-जेन जियोफिजिक्स 2025" सम्मेलन का किया उद्घाटन

हैदराबाद (एजेंसी),

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज हैदराबाद के बंदलागुडा-नागोले स्थित भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान (जीएसआईटीआई) में "नेक्स्ट-जेन जियोफिजिक्स 2025: अनलॉकिंग अर्थ्स छुपे हुए खजाने" सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में मलकाजगिरी के सांसद ईताला राजेंद्र भी शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत एक नए युग में प्रवेश कर रहा है, जहां विज्ञान, स्थिरता और प्रौद्योगिकी खनिज अन्वेषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण और आपदा जोखिम न्यूनीकरण जैसी चुनौतियों का समाधान करने के लिए अभिनव उपकरण प्रदान करके विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में भूभौतिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। मंत्री ने इस समय पर आयोजित सम्मेलन के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) की सराहना की, क्योंकि यह 175 वर्षों की समर्पित सेवा का जश्न मना रहा है। उन्होंने इस मील के पत्थर को प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक अन्वेषण के लिए भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया।

किशन रेड्डी ने राष्ट्रीय भूस्खलन पूर्वानुमान केंद्र की स्थापना और आपदा तैयारियों को बढ़ाने के उद्देश्य से इटली के साथ हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन सहित महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डाला।

उन्होंने निगरानी नेटवर्क के विस्तार और अत्याधुनिक पूर्वानुमान तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। इसके अलावा, मंत्री ने वैश्विक शिक्षा और अनुसंधान में भारत की बढ़ती उपस्थिति पर ध्यान आकर्षित किया, उन्होंने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में शामिल भारतीय संस्थानों में 318% की वृद्धि का उल्लेख किया। उन्होंने वैज्ञानिक उत्कृष्टता के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के उदाहरण के रूप में आईआईटी सीटों को दोगुना करने और अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) के निर्माण का भी उल्लेख किया। किशन रेड्डी ने भूवैज्ञानिकों से उन्नत अन्वेषण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती हुई तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया, जिसमें छिपे हुए खनिज संसाधनों की भविष्यवाणी करना और अधिक सटीकता के साथ भूकंपीय आंकड़ों की व्याख्या करना शामिल है। उन्होंने नवाचार के उत्प्रेरक के रूप में ₹10,300 करोड़ के भारत एआई मिशन और ₹6,000 करोड़ के राष्ट्रीय क्वांटम मिशन जैसी प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला। महत्वपूर्ण खनिजों के रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की भविष्य की आर्थिक ताकत एआई-संचालित, स्वच्छ और कुशल अन्वेषण विधियों के माध्यम से लिथियम और कोबाल्ट जैसे प्रमुख खनिजों के लिए आयात निर्भरता को कम करने पर निर्भर करती है। उन्होंने सहयोग और स्थिरता के साथ-साथ नवाचार की आवश्यकता को रेखांकित किया, सरकार, शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत साझेदारी की वकालत की। खनिज अन्वेषण हैकथॉन को ऐसे सह-निर्माण के सफल मॉडल के रूप में उद्धृत किया गया। उन्होंने जिम्मेदार खनन प्रथाओं के महत्व पर भी जोर दिया जो स्थानीय समुदायों को लाभान्वित करते हैं और पर्यावरण की रक्षा करते हैं।

दर्शकों को संबोधित करते हुए, माननीय सांसद ईताला राजेंद्र ने कहा कि "भूविज्ञान एक परिवर्तनकारी युग में प्रवेश कर रहा है - जहाँ पारंपरिक तरीके एआई-संचालित भविष्य कहनेवाला मॉडल, क्वांटम सेंसिंग और अत्याधुनिक तकनीकों के साथ मिलकर संसाधन अन्वेषण में क्रांति लाते हैं और भविष्य के लिए तैयार, विकसित भारत के निर्माण में योगदान करते हैं।" उन्होंने खनिज सुरक्षा, पर्यावरणीय लचीलापन और प्राकृतिक आपदा तैयारी से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने में भूवैज्ञानिक अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। राजेंद्र ने भू-खतरे के आकलन और खनिज जांच में जीएसआई द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग को अपनाने की सराहना की और डेटा-संचालित अन्वेषण और सतत संसाधन प्रबंधन में वैश्विक नेता बनने की भारत की क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया।इससे पहले दिन में, किशन रेड्डी ने ईटाला राजेंद्र के साथ भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) में दो नए शामिल हाइड्रोस्टेटिक ड्रिल रिग का उद्घाटन किया, मंडप में महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों के सतत विकास के लिए भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करने वाली अग्रणी प्रौद्योगिकियों का लाइव प्रदर्शन किया गया। दो दिवसीय सम्मेलन में भारत और ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, रूस, अमेरिका, पोलैंड, मलेशिया और सिंगापुर सहित कई देशों के प्रख्यात भू-वैज्ञानिक, शोधकर्ता और उद्योग जगत के नेता शामिल हुए।

एजेंडा उन्नत भूभौतिकीय प्रौद्योगिकियों, एआई/एमएल-एकीकृत अन्वेषण मॉडल, उच्च-रिज़ॉल्यूशन सबसरफेस इमेजिंग और डेटा-संचालित खनिज लक्ष्यीकरण पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम में जीएसआईटीआई के उप महानिदेशक और प्रमुख, मिशन-वी (प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण) डॉ. एस. रवि; जीएसआई के महानिदेशक असित साहा; जीएसआई (दक्षिणी क्षेत्र) के अतिरिक्त महानिदेशक एस.डी. पटभाजे; वरिष्ठ अधिकारी, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि और प्रमुख भू-वैज्ञानिक विशेषज्ञ शामिल हुए।

राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा

हैदराबाद (एजन्सी),

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि पर राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा सुबह 7.01 बजे पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली पर किया गया। इस अवसर पर सतीश गुप्ता रामप्रकाश अग्रवाल महेश अग्रवाल ई-जगन (चंपा पेट) महेश गुप्ता सुशील गुप्ता रोहित अग्रवाल संजय गोयल किरण गोयल गोपाल गोयल नंदकिशोर अग्रवाल प्रीतिका अग्रवाल भगतराम गोयल और अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थीत थे।

4 साल से फरार 10,000 का इनामी ठग जयपुर में धरा, सरकारी नौकरी के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी का पर्दाफाश

दौसा। दौसा जिले की बांदीकुई थाना पुलिस और डीएसटी ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए पिछले चार साल से फरार चल रहे ?10,000 के इनामी बदमाश राजीव बैरवा उर्फ राजू पुत्र रामचंद्र (40) निवासी ईंटका थाना सिकंदरा को जयपुर से दबोच लिया है। यह शातिर ठग खुद को आयकर विभाग का अधिकारी बताकर बेरोजगारों को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देता और उनसे लाखों रुपये ऐंठ लेता था।

ठगी का तरीका और फरारी-

एसपी सागर राणा ने बताया कि राजीव बैरवा सिकंदरा क्षेत्र का रहने वाला है। आरोपी ऐसे ही मामले में थाना बांदीकुई में 1 अक्टूबर 2021 और 3 जनवरी 2023 को दर्ज दो बड़े धोखाधड़ी के मामलों में वांछित था। आरोपी ने सैकड़ों बेरोजगार युवाओं आयकर विभाग में एलडीसी और अन्य पदों पर नौकरी लगवाने का सब्जबाग दिखाया। वह उनसे लाखों रुपये ऐंठता और बदले में फर्जी नियुक्ति पत्र व चयन सूची थमा देता था। धोखाधड़ी के बाद राजू लगातार अपने फोन नंबर बदलता और जयपुर शहर के अलग-अलग इलाकों में छिपकर फरारी काट रहा था। कोर्ट ने भी इसे भगोड़ा घोषित किया हुआ था।

संयुक्त कार्रवाई और गिरफ्तारी-

पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज अजयपाल लाम्बा और एसपी राणा के कड़े निर्देशों के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुरूशरण राव और सीओ बांदीकुई रोहिताश देवन्दा के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। बांदीकुई थानाधिकारी जहीर अब्बास नेतृत्व में डीएसटी और साइबर सेल की टीमों ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।

आरोपी की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई और साइबर सेल की मदद से उसके ठिकानों का पता लगाया गया। जयपुर में उसके छिपे होने की ठोस सूचना मिलते ही डीएसटी टीम के सदस्यों ने संभावित जगहों पर लगातार 48 घंटे तक निगरानी रखी। इस अथक प्रयास के बाद आखिरकार राजीव बैरवा को दबोच लिया गया, जो पिछले चार साल से कानून की पकड़ से दूर था। राजीव बैरवा का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है, जिसमें महवा और बांदीकुई थानों में धोखाधड़ी और जालसाजी के अन्य मामले शामिल हैं।

पुलिस अब आरोपी से और पूछताछ कर रही है ताकि उसके गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों का भी पर्दाफाश किया जा सके।

मां और तीन युवक गिरफ्तार : मां ने अपनी करतूत छिपाने के लिए नाबालिग बेटी को बनवाया हवस का शिकार

भीलवाड़ा। शहर में एक बेहद शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। एक मां ने आधी रात को युवकों को घर बुलाकर अपनी नाबालिग बेटी को हवस का शिकार बनवा दिया। कुमाता ने हैवानों का ना केवल साथ दिया बल्कि उसने बेटी के विरोध नहीं कर पाए उसके पहले हाथ-पैर बांधे और फिर कमरे में युवकों को भेजकर बाहर से कमरा बंद कर दिया। मामला तब खुला जब घर से नकदी और जेवरात गायब होने पर उसके पिता ने पूछताछ की तब पीड़िता ने घर में चल रहे गंदे 'खेल' और खुद के साथ मां के शर्मनाक घटना की 'आप बीती' पिता को बताई। बाद में पिता ने बेटी के साथ सुभाषनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई। मामल में पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म व पोक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी मां और उसके तीन साथियों सुजल कण्डारा पुत्र नरेन्द्र कण्डारा (20) निवासी बस्ती सांगानेरी गेट, अंकुश पुत्र मुकेश निवासी सांगानेरी गेट, दीपक खोखर पुत्र पप्पूलाल खोखर (20) निवासी गुलअली नगरी और एक आरोपी के नाबालिग होने पर उसे निरूद्ध किया गया। पुलिस की मानें तो महिला की कुछ करतूतों को उसकी बेटी जानती थी इसलिए उसे भी पाप में घसीटने के लिए यह कांड किया गया। पुलिस के अनुसार छेड़छाड़ और गैंगरेप की शिकार किशोरी के पिता व भाई धार्मिक कार्यक्रम के लिए गत 24 अप्रैल को भीलवाड़ा से बाहर गए थे, जो 29 मई को घर वापस आए। घर आकर पिता ने घर में सार-संभाल की तो नकदी व गहने रखने वाली पेटी से नकदी व आभूषण गायब मिले। जब उसने इस बारे में पत्नी और बेटी से पूछा तो वह कोई जवाब नहीं दे पाए। बाद में बेटी से अकेले में पूछा तो उसने घर में उनकी गैरमौजूदगी में मां की ओर से चलाए जा रहे 'गंदे खेल' की जानकारी देते उसके साथ मां की मौजूदगी में हुई दुष्कर्म व छेड़छाड़ की घटना बताई।

गीता का ज्ञान, विश्व का सम्मान : गुप्त वृंदावन धाम में अंतरराष्ट्रीय गीता ओलंपियाड का भव्य समापन

जयपुर। गीता के दिव्य संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए गुप्त वृंदावन धाम, जयपुर द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता ओलंपियाड का आज एक भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन हुआ। समारोह का आयोजन धाम स्थित कृष्णा हॉल में किया गया, जहाँ देश-विदेश से आए प्रतिभागियों, विशिष्ट अतिथियों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को आध्यात्मिक गरिमा से भर दिया।

दिव्य ज्ञान का वैश्विक उत्सव

इस अनूठे ओलंपियाड में न केवल भारत के विभिन्न राज्यों से बल्कि विश्व के अनेक देशों से प्रतिभागियों ने ऑनलाइन भाग लिया। आयोजकों के अनुसार इसका मूल उद्देश्य ÷भगवद गीता के शाश्वत ज्ञान को आधुनिक पीढ़ी तक पहुँचाना÷ और युवाओं को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ना था।

सम्मानित हुए 100 प्रतिभागी

समारोह में कुल 100 प्रतिभागियों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। इनमें से चयनित श्रेष्ठ विजेताओं को आकर्षक नकद पुरस्कार भी प्रदान किए गए-

गीता रत्न (?1,00,000) = अनुषा कर्नूल (आंध्र प्रदेश)

गीता विभूषण (?51,000) = मधु पालती देवी दासी (जोधपुर, राजस्थान)

गीता भूषण (?21,000) : TVSNV प्रसाद (हैदराबाद), श्वेता खंडेलवाल (गाजियाबाद), हर्षित शर्मा (दुर्ग), शिवानी नीलि (हैदराबाद) इसके अतिरिक्त 20 प्रतिभागियों को गीता श्री सम्मान स्वरूप 1,100 नकद राशि व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। शेष सभी प्रतिभागियों को ÷गीता पुरस्कार÷ प्रदान कर उनकी सराहना की गई।

मुख्य अतिथि और आयोजन समिति की गरिमामयी उपस्थिति समारोह के मुख्य अतिथि थे ओके प्लस बिल्डर्स के चेयरमैन श्री ओमप्रकाश मोदी जी, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में कृष्ण भावनामृत सेंटर की श्रीमती सोहलता मोदी जी उपस्थित रहीं। दोनों ही अतिथियों ने आयोजन की सफलता में सक्रिय भागीदारी निभाई और भगवद गीता के सामाजिक और आध्यात्मिक महत्त्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता हरे कृष्ण मूवमेंट जयपुर के अध्यक्ष श्री अमितासना दास जी ने की। उन्होंने अपने सारगर्भित वक्तव्य में कहा, ÷गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानवता को दिशा देने वाला सार्वभौमिक ज्ञान है। इसे जीवन में उतारना ही सच्ची साधना है।÷

ओलंपियाड 2026 की घोषणा

समारोह के अंत में गुप्त वृंदावन धाम की ओर से यह घोषणा की गई कि अंतरराष्ट्रीय गीता ओलंपियाड 2026 को और भी वृहद एवं व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें भौतिक और ऑनलाइन दोनों माध्यमों को सम्मिलित किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जा सके। शिक्षा और संस्कृति का अद्वितीय संगम यह ओलंपियाड न केवल एक प्रतियोगिता था, बल्कि यह शिक्षा और संस्कृति के समागम का प्रतीक बनकर उभरा। इसके माध्यम से युवा पीढ़ी ने गीता के श्लोकों और उनके व्यावहारिक अर्थों को समझा और जीवन में आत्मिक विकास की दिशा में एक ठोस कदम बढ़ाया।

गुप्त वृंदावन धाम के इस आयोजन ने यह साबित कर दिया है कि आध्यात्मिक जागरूकता और आधुनिक तकनीक का समन्वय से गीता जैसे शाश्वत ज्ञान को वैश्विक स्तर पर प्रसारित किया जा सकता है।

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज तेलंगाना में किसानों से की बातचीत

हैदराबाद
(एजन्सी),

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले के मानसनपल्ली गांव का दौरा कर किसानों से बातचीत की। उसके बाद रामचंद्रगुड़ा गांव में किसान चौपाल का आयोजन किया। बातचीत के दौरान किसानों ने मंत्री को बताया कि वे विविधीकरण और एकीकृत कृषि पद्धतियों को अपना रहे हैं, जिससे उनके उत्पादन और आय दोनों को बढ़ावा मिला है। किसान चौपाल के बाद चौहान ने इब्राहिमपटनम के मंगलपल्ली में आयोजित कार्यक्रम में किसानों को संबोधित किया। चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान इसकी आत्मा हैं। उन्होंने कहा, "मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मुझे सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। आज उनके तीसरे कार्यकाल का पहला वर्ष पूरा हो रहा है और मैं उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।" उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि किसानों की समृद्धि सरकार का सबसे बड़ा उद्देश्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्नत कृषि और आर्थिक रूप से सशक्त किसान विकसित भारत के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

देश की लगभग आधी आबादी के लिए कृषि आजीविका का प्राथमिक स्रोत बनी हुई है और राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में इसका योगदान 18% है। इस वर्ष की चौथी तिमाही में इस क्षेत्र ने 5.4% की वृद्धि दर दर्ज की, जो भारतीय किसानों की अटूट लगन और कड़ी मेहनत का प्रमाण है। उन्होंने कहा, "हमारे किसानों ने असाधारण प्रदर्शन किया है, लेकिन हमें और भी बड़ी उपलब्धियों के लिए प्रयास जारी रखना चाहिए।" मंत्री ने चार प्रमुख उद्देश्यों को रेखांकित किया, जिनके लिए मुख्य रूप से केंद्रित प्रयासों की आवश्यकता है, पर्याप्त अनाज भंडार बनाए रखते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना; किसानों की उपज के लिए उचित मूल्य की गारंटी देना; देश की 1.45 अरब आबादी को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना; मिट्टी की उर्वरता को संरक्षित करना और भावी पीढ़ियों के लिए टिकाऊ कृषि सुनिश्चित करना। श्री चौहान ने कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान सामूहिक भागीदारी की भावना से शुरू किया गया था। इस पहल का उद्देश्य प्रयोगशाला और भूमि के बीच की खाई को पाटना है, यह सुनिश्चित करना है कि वैज्ञानिक अनुसंधान सीधे किसानों तक पहुंचे।

इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, 16,000 वैज्ञानिकों वाली 2,170 टीमों को गांवों का दौरा करने और क्षेत्र-विशिष्ट कृषि ज्ञान का प्रसार करने के लिए तैनात किया गया है। स्थानीय मिट्टी की उर्वरता, जलवायु परिस्थितियों और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के आधार पर सर्वोत्तम प्रथाओं और फसल किस्मों पर सिफारिशें की जा रही हैं। श्री चौहान ने कहा, "किसान ही सच्चा वैज्ञानिक है।" "इसके अनुसार, मैंने कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के सामने आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को सक्रिय रूप से सुनने और इन वास्तविक दुनिया के मुद्दों को संबोधित करने के लिए अपने शोध प्रयासों को संरेखित करने का निर्देश दिया है।" उन्होंने बाजरा (श्री अन्ना) को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त अनाज के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "मुझे विश्वास है कि तेलंगाना में भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान इस वैश्विक पहल का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।" उन्होंने तेलंगाना में पाम ऑयल की खेती को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान बढ़ाने का भी आह्वान किया। चौहान ने रंगा रेड्डी जिले में देखी गई नवीन कृषि पद्धतियों की सराहना की। उन्होंने स्थानीय किसानों द्वारा ताड़ और पपीते की अंतर-फसल, टमाटर और फूलों की खेती और नर्सरी के विकास जैसी सफल पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "एक किसान ने बताया कि वह प्रति एकड़ 3 लाख रुपये तक कमा रहा है। हम आपकी समृद्धि के मार्ग में आने वाली हर बाधा को दूर करने के लिए लगन से काम कर रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा कि सरकार सफल अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान को भारतीय किसानों तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) शुरू करने की घोषणा की, जिसके तहत केंद्र सरकार राज्य की सीमाओं के पार बेचे जाने वाले टमाटर, आलू और प्याज की उपज के परिवहन लागत को वहन करेगी, साथ ही पर्याप्त भंडारण सुविधाएं भी प्रदान करेगी।छोटे और सीमांत किसानों को अधिक लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। उत्पादकता और आय में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत कृषि मॉडल को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। अपने समापन भाषण में चौहान ने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने के प्रयासों को बढ़ावा दिया जा रहा है। भारतीय कृषि के लिए किए जा रहे कार्यों को अटूट समर्पण और तत्परता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया, "हम ऐसी नीतियां बना रहे हैं जो हमारे किसान भाइयों और बहनों के लिए अधिकतम लाभ सुनिश्चित करेंगी। अवसर पर भागीरथ चौधरी, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री; तुम्मला नागेश्वर राव, कृषि मंत्री, तेलंगाना; कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, सांसद; चमल किरण कुमार रेड्डी, विधान सभा सदस्य; डॉ. एम.एल. जाट, सचिव (डीएआरई) महानिदेशक (आईसीएआर), वैज्ञानिक और केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारी उपस्थित थे।

तनाव से मुक्ति का साधन है ब्रम्ह ज्ञान आधारित ध्यान-साधना: साध्वी भावना भारती

हैदराबाद
(एजन्सी),

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा आज प्रातः 10 बजे से 12:30 बजे तक श्री आई माता मंदिर, पदमाराव नगर, हैदराबाद में मासिक सत्संग, ध्यान, भजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता दिव्य गुरु सर्व श्री आशुतोष महाराज ज की शिष्या साध्वी दर्शिता भारती जी ने कहा, "मानव का मन एक सुंदर बगीचे के समान होता है। यदि उसमें प्रेम, शांति और भक्ति जैसे पुष्प नहीं लगाए जाएंगे, तो नकारात्मक विचारों की खरपतवार स्वतः ही उग आएगी।" उन्होंने यह भी कहा कि एक साधक वही है जो नकारात्मकता से संघर्ष करता है और अंततः अपने सकारात्मक

दृष्टिकोण के बल पर हर चुनौती को पार कर जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि "एक शिष्य को सदैव यह प्रार्थना करनी चाहिए कि उसके मन में कभी भी नकारात्मक विचार उत्पन्न न हों।" इसके लिए ब्रह्म ज्ञान आधारित ध्यान-साधना अत्यंत प्रभावशाली साधन हैं। कार्यक्रम का संचालन संस्थान की दक्षिण भारत संयोजिका सुश्री भावना भारती जी ने कहा कि अध्यात्म का वास्तविक उद्देश्य स्वयं में सुधार लाना है। जब व्यक्ति समय के पूर्ण गुरु की शरण प्राप्त करता है, तो उसे यह ज्ञात होता है कि जीवन की समस्याओं का हल बाहरी दुनिया में नहीं, बल्कि उसकी आंतरिक चेतना में ही निहित है।इस अवसर पर संस्थान के मंथन प्रकल्प के अंतर्गत ५-१५ आयु वर्ग के बच्चों के लिए संस्कारशाला का आयोजन किया गया। महाराज श्री के शिष्यों ने सुमधुर भजनों का गायन किया तथा समापन मंगल आरती और भंडारे के आयोजन के साथ हुआ।

अग्रवाल समाज की विभिन शाखाओं द्वारा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के मछली प्रसादम हेतु व्यवस्था

हैदराबाद
(एजन्सी),

अग्रवाल समाज तेलंगाना के विभिन शाखाओं ने अपने अपने स्तर पर देश भर से मछली प्रसाद ग्रहण करने आए बंधु के लिए भोजन की ,ठहरने की व्यवस्था की ।बाहर से आए यात्रियों के लिए अग्रवाल समाज बोवेनपली शाखा,दुर्गाप्रसाद बंसल के नेतृत्व में,शाह अली बोंडा शाखा रामकिशन अग्रवाल के नेतृत्व में,दिलसुखनगर शाखा हरिकिशन सोंथेलिया के नेतृत्व में,सिकंदराबाद पैराडाइस शाखा धीरज खैतान,लक्ष्मी नारायण,शाम गोयंका के नेतृत्व में अपनी अपनी सेवायें प्रदान की।

जिस उम्र में लड़कियों को पढ़ना चाहिए, उस उम्र में उनकी शादी हो रही है

माता-पिता को अब बदलाव लाना होगा..

पहले बाल विवाह बड़े पैमाने पर होते थे। इस पर सामाजिक क्रांति आई। उस समय के बुजुर्गों ने बाल विवाह के खिलाफ बड़ा कदम उठाया और इस सामाजिक बुराई को मिटाने के लिए आंदोलन शुरू किया। वे लोगों में सामाजिक जागरूकता लाने के लिए आगे बढ़े। इसी क्रम में तत्कालीन सरकार ने बाल विवाह पर रोक लगाने के आदेश जारी किए। इससे बाल विवाह में थोड़ी कमी आई है। कम उम्र में शादी करने से युवक-युवतियां बीमार हो रहे हैं और कई दुर्भाग्य ला रहे हैं। आधुनिक युग में भी बाल विवाह फिर से बढ़ने लगे हैं। माता-पिता इन शादियों के लिए तैयार हो रहे हैं, उन्हें लग रहा है कि उनकी बेटियां उन पर बोझ बन रही हैं। जिले भर में कहीं न कहीं चोरी-छिपे बाल विवाह की लहर चल रही है। आदिलाबाद जिले में इस साल दोनों समुदायों के अभिभावकों ने 12 बाल विवाह कराने का फैसला किया है, लेकिन अधिकारी चालाकी से काम कर रहे हैं और इन विवाहों को रोक रहे हैं। दो मामले दर्ज किए गए हैं। काउंसलिंग के बाद 1098 को सूचना मिली कि नेराडिगोंडा मंडल के एक गांव की लड़की, जिसने आठवीं कक्षा में पढ़ाई करते हुए स्कूल छोड़ दिया था, हाल ही में उसी गांव में महाराष्ट्र के एक युवक से शादी कर रही थी। चाइल्ड हेल्पलाइन के जिला समन्वयक सतीश और पुलिस अधिकारी शादी रोकने के लिए वहां गए और लड़की के परिवार के सदस्यों की काउंसलिंग भी की। आधार कार्ड में जन्मतिथि बदली.. हाल ही में अधिकारियों को सूचना मिली कि बेला मंडल केंद्र में नाबालिगों की शादी की जा रही है। चाइल्ड हेल्पलाइन के अधिकारी, डीसीसीओ स्टाफ और श्योर एनजीओ के प्रतिनिधि वहां गए और निरीक्षण किया। शादी रोकने के लिए आधार कार्ड में जन्मतिथि बदली गई थी। यह तब सामने आया जब लड़की के दसवीं कक्षा के मेमो की जांच की गई। शादी रोकी गई और परिवार के सदस्यों को जागरूक किया गया। 1098 को मिली सूचना के अनुसार 1098 को 15 दिन पहले सूचना मिली थी कि मंचिरीयाल जिले के भीमाराम में 17 वर्षीय लड़की की शादी हो रही है। जब अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच की तो पता चला कि दूल्हा-दुल्हन दोनों नाबालिग हैं। गांव के बुजुर्गों की मौजूदगी में परिवार के सदस्यों की

काउंसलिंग की गई और परिवार के सदस्यों से सहमति पत्र लिया गया कि जब तक वे 18 साल की उम्र पूरी नहीं कर लेते, तब तक शादी नहीं करनी चाहिए।

अधिकारियों ने उटनुर में रोका बाल विवाह

लड़की 16 साल की है और उसकी शादी इसी महीने की 8 तारीख को महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के एक बालिग लड़के से तय हुई थी। शी टीम को मिली सूचना के अनुसार उटनुर मंडल के एक गांव में बाल विवाह हो रहा है, इसी महीने की 6 तारीख को चाइल्ड वेलफेयर, डीसीपीयू, चाइल्ड लाइन, SURE NGO, शी टीम कांस्टेबल और पुलिस ने उटनुर सीआई के साथ मिलकर माता-पिता की काउंसलिंग की। प्रतिभागियों में संरक्षण अधिकारी एन. स्वामी, आईसीडीएस सुपरवाइजर चित्रकला, चाइल्ड हेल्प लाइन काउंसलर पद्मा, शी टीम कांस्टेबल रोहिणी, श्योर एनजीओ समन्वयक के. विनोद और एएसआई शामिल थे। बाल विवाह के कई नुकसान हैं। लड़कियों की शादी करने से एनीमिया हो सकता है। प्रसव के दौरान समस्याएं आती हैं। बच्चे के स्वस्थ पैदा होने की कोई संभावना नहीं है। इसके अलावा प्रसव के दौरान रक्तस्राव की संभावना है और लड़की की जान को खतरा है। कुछ मामलों में रक्त आधान की संभावना नहीं है। जब 14-16 साल की लड़की की शादी 25-35 साल के आदमी से होती है, तो उम्र के अंतर, जीवन के बारे में समझ की कमी और अलग-अलग विचारों के कारण पारिवारिक व्यवस्था के खराब होने की संभावना होती है। इसके अलावा, जब लड़की वयस्क हो जाती है, तो उसे उथली जिंदगी में जाना पड़ता है और विधवा या अकेली महिला रहना पड़ता है। कम उम्र में मां बनने से अजन्मे बच्चे को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। स्तनपान के बारे में समझ की कमी के कारण बच्चे को परेशानी होने की संभावना है। अगर किसी लड़की की शादी 18 साल से कम उम्र में कर दी जाती है तो घरेलू हिंसा की संभावना रहती है। परिवारों में दरार पड़ सकती है। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लड़कियों में वयस्क युवतियों की तुलना में एड्स होने की संभावना अधिक होती है।

किससे शिकायत करूं..?

अगर किसी को सही जानकारी है कि बाल विवाह होने वाला है या हो रहा है तो वे 1098 या डायल 100 पर सूचना दे सकते हैं। इनके आधार पर काउंसलिंग या मामला भी स्वतः दर्ज किया जा सकता है। बाल विवाह रोकने का अधिकार आईसीडीएस अधिकारियों को है। अगर दूल्हा-दुल्हन अधिकारियों से शिकायत करते हैं कि वे शादी नहीं करना चाहते हैं तो शादी तुरंत रोक दी जाएगी। अगर शादी हो भी जाती है तो कानून के मुताबिक वह वैध नहीं है।

- ये अधिकारी ही इसे रोकते हैं..

जिला कलेक्टर: जिले की पूरी जिम्मेदारी, संभाग स्तर पर: उपजिलाधिकारी, आरडीओ, मंडल स्तर पर: तहसीलदार, परियोजना स्तर पर: सीडीपीओ, एसीडीपीओ, गांवों में: आईसीडीएस पर्यवेक्षक से करें

हमें बाल विवाह मुक्त भारत के लिए काम करना चाहिए..-राजेंद्र प्रसाद, जिला बाल कल्याण अधिकारी, आदिलाबाद

बाल विवाह मुक्त भारत के लिए सभी को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। किसी भी व्यक्ति को बाल विवाह के बारे में जानकारी हो, जो हो चुका है, हो रहा है या होने वाला है, तो वह 1098,100 पर सूचना दे सकता है। सूचना देने वालों का विवरण पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि शूर एनजीओ आदिलाबाद और आसिफाबाद जिलों में बाल विवाह को खत्म करने के लिए काम कर रहा है। स्कूल जाने की उम्र के बच्चों की शादी कराना गैरकानूनी है। इसके लिए हम जागरूकता कार्यक्रम चला रहे हैं। हम स्कूलों, कॉलेजों और गुरुकुलों में जागरूकता पैदा कर रहे हैं और इन प्रथाओं के परिणामों के बारे में बता रहे हैं। अगर 18 साल से कम उम्र की लड़की 21 साल से कम उम्र के लड़के से शादी करती है, तो अदालत 2 साल की जेल और 1 लाख रुपये का जुर्माना लगा सकती है। किसी भी बाल विवाह की सूचना टोल-फ्री नंबर 1800 1027 222 या 1098 पर दी जानी चाहिए।

संयुक्त जिले में नौ वर्षों में अधिकारियों द्वारा रोके गए बाल विवाहों का विवरण इस प्रकार है।

वर्ष	एडीबी	एमएनसीएल	एएसएफ	एनआरएमएल
2017	12	18	--	--
2018	08	24	--	--
2019	14	14		38
092020	19	20		29
112021	21	20		24
202022	13	12		23
102023	12	09		18
112024	16	04		15
202025	12	02		08

07

गोपाल रेड्डी
अध्यक्ष , शूर एनजीओ
आदिलाबाद, आसिफाबाद जिला

राजेंद्र प्रसाद
जिला बाल कल्याण
आदिलाबाद

एनजीओ की ओर से कई गतिविधियां चलाई जा रही हैं।

बुमराह ने सर्जरी से पहले बढ़ाया था कैमरून ग्रीन का हौसला

लंदन, एजेंसी। कैमरून ग्रीन की पीठ की सर्जरी की पूर्व संध्या पर भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक 'विशेष संदेश ने ऑस्ट्रेलिया के इस हरफनमौला को सर्जरी करवाने के उनके फैसले को लेकर आश्वस्त कर दिया। ग्रीन को पिछले साल 'स्ट्रेस फ्रैक्चर हुआ था। यह चोट हालांकि 9 से 12 महीनों में स्वाभाविक रूप से ठीक हो सकती थी, लेकिन उन्होंने अक्टूबर में सर्जरी करवाने का फैसला किया। ग्रीन ने कहा, 'जसप्रीत बुमराह ने सर्जरी करवाने से एक रात पहले मुझसे संपर्क किया था। वह उस समय भारतीय टीम के लिए एक टेस्ट मैच खेल रहे थे। ऐसी कुछ चीजें वाकई बहुत खास होती हैं और आपको इससे बहुत अच्छा महसूस होता है। उनके जैसे किसी व्यक्ति का साथ मिलना और फिर उन्हें ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन करते देख कर मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है। ग्रीन 2023 आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे। उस समय बुमराह सर्जरी से उबरने के लिए टीम से बाहर थे। वह इस सर्जरी के कारण 2022 टी20 विश्व कप खेलने से भी चूक गए थे। उन्होंने हालांकि सर्जरी के बाद शानदार वापसी की और भारत को 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचने के बाद पिछले साल टी20 विश्व कप चैंपियन बनाने में अहम योगदान दिया। बुमराह इसके बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पांच मैचों में 32 विकेट लेकर श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने। 26 साल के ग्रीन को जेसन बेहरेनडॉर्फ इसी तरह की सर्जरी से गुजरने वाले अन्य गेंदबाजों से भी उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। ग्रीन ने बताया, '(ऑपरेशन का) मुख्य कारण हड्डी के कुछ अतिरिक्त भाग को अलग करना था। जाहिर है कि मेरे 'एल4 में थोड़ी परेशानी थी और रीढ़ के उस हिस्से पर अतिरिक्त हड्डी विकसित हो गई थी। उन्होंने कहा, 'मझे इस हड्डी के कारण झुकने में भी परेशानी हो रही थी। इस अतिरिक्त हड्डी का दूसरी हड्डियों पर दबाव पड़ा जिससे वहां भी समस्या हो गई। यह पीठ की चोट के मामले में बेहद दुर्लभ है। ग्रीन के इस सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेलने की उम्मीद है। वह ग्लूस्टरशायर के लिए पांच काउंटी क्रिकेट मैचों में तीन शतकों के दम पर टेस्ट टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पीठ की चोट का एक सकारात्मक पहलू यह है कि मुझे बल्लेबाज बनने के लिए केवल चार मौके मिले हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरा खेल उस समय (टीम में बतौर बल्लेबाज शामिल होगा) और अच्छा रहता है। मैं हमेशा गेंदबाजी करता रहूंगा, लेकिन ऐसी स्थिति में आपको अपने खेल के सिर्फ एक पहलू पर पूरा ध्यान लगाना होता है। उन्होंने कहा, 'जब आप गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों कर रहे होते हैं, तो आपको खुद को फिट और खेलने के लिए तैयार रखने के लिए गेंदबाजी के लिहाज से बहुत कुछ करना पड़ता है। इससे बल्लेबाजी थोड़ी प्रभावित होती है। ऐसे में सिर्फ बल्लेबाजी करना निश्चित रूप से अच्छा है।

हम नेशंस लीग जीतने के हकदार थे: पुर्तगाल कोच मार्टिनेज

म्यूनिख, एजेंसी। स्पेन को 5-3 से हराकर नेशंस लीग का खिताब जीतने वाली पुर्तगाल टीम के हेड कोच रोबर्टो मार्टिनेज बेहद खुश दिखे। मार्टिनेज ने टीम के खिलाड़ियों की जमकर प्रशंसा की और कहा कि हम खिताब जीतने के हकदार थे। म्यूनिख फुटबॉल एरीना में खेले गए नेशंस लीग फाइनल में निर्धारित समय में खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। पेनल्टी में पुर्तगाल ने स्पेन को हराकर खिताब जीता। इस जीत के साथ ही पुर्तगाल दो बार यूईएफए नेशंस लीग जीतने वाली पहली टीम बन गई। जीत के बाद पुर्तगाल के कोच रोबर्टो मार्टिनेज ने कहा, फाइनल में जीत पर गर्व है। जीत बेहद अहम थी। हमने उस टीम के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए जीत हासिल की जिसे फाइनल खेलने का अनुभव है। मुझे अपने खिलाड़ियों का खेल और रवैया पसंद आया। हम जीत के हकदार थे। हेड कोच ने कहा कि 11 से ज्यादा खिलाड़ियों का होना बेहद जरूरी है। यह खेल शारीरिक से ज्यादा मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है। मैच को लेकर हमारा दृष्टिकोण बेहद स्पष्ट था। बेंच पर बैठे खिलाड़ी भी जब मैदान में आए तो आक्रामक दिखे, इसने जीत में हमारी मदद की। स्पेन ने 2024/25 नेशंस लीग में 10 मैचों में 25 गोल किए, जो प्रतियोगिता के एक संस्करण में किसी भी टीम द्वारा सबसे अधिक है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो नेशंस लीग के फाइनल में खेलने वाले और गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। रोनाल्डो की उम्र 40 साल 4 महीने और 4 दिन है। इससे पहले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का रिकॉर्ड क्रोएशिया के लुका मोड्रिक के नाम था। 2023 में स्पेन के खिलाफ वह 37 वर्ष 282 दिन की उम्र में खेले थे। इस बार जर्मनी, पुर्तगाल, स्पेन और फ्रांस फाइनल में पहुंची थी। पुर्तगाल ने जर्मनी को और स्पेन ने फ्रांस को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। फ्रांस जर्मनी को हराकर तीसरे स्थान पर रही। नेशंस लीग की शुरुआत 2018 में हुई थी। लीग में कुल 55 टीमें खेलती हैं। 4 ग्रुप में टीमों को बांटा जाता है। ग्रुप ए और बी में 12-12 टीमें होती हैं। ग्रुप सी में 15 और ग्रुप डी में 16 टीम होती है। अब तक ये टूर्नामेंट चार बार खेला गया है। 2018-19 और 2024-25 का खिताब पुर्तगाल ने जीता है और लीग की सबसे सफल टीम है। 2020-21 में फ्रांस और 2022-23 में स्पेन ने खिताब जीता था।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में वसीम अकरम को पीछे छोड़ बनेंगे नंबर1 गेंदबाज

जसप्रीत बुमराह इतिहास रचने की दहलीज पर

नई दिल्ली, एजेंसी। जसप्रीत बुमराह, भारतीय क्रिकेट का वो सितारा, जो अपनी गेंदबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण होती हैं, बुमराह ने रफ्तार, सटीकता और अनोखे गेंदबाजी एक्शन से दुनिया भर में धमाल मचा रहा है। अब वह एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड की दहलीज पर खड़ा है। अगर बुमराह अपने अगले टेस्ट मैच में 5 विकेट और ले लेते हैं, तो वे स्वह देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में 150 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले एशियाई गेंदबाज बन जाएंगे।

बुमराह का अब तक का सफर

जसप्रीत बुमराह ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ की थी। तब से लेकर अब तक, उन्होंने अपनी रफ्तार और स्विंग से बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है। देशों की पिचें तेज हैं, बुमराह ने विकेट सिर्फ 21.02 की औसत से लिए हैं।

सेना में एशियाई गेंदबाजों का प्रदर्शन

सेना देशों की पिचें हमेशा से एशियाई गेंदबाजों के लिए कठिन रही हैं। तेज और उछाल वाली पिचों पर गेंदबाजी करना आसान नहीं होता, लेकिन कुछ एशियाई दिग्गजों ने यहां अपनी छाप छोड़ी है। आइए, नजर डालते हैं केउन शीर्ष एशियाई गेंदबाजों पर, जिन्होंने SENA में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लिए है.

बुमराह की खासियत

बुमराह की गेंदबाजी में सबसे खास बात है उनका अनोखा एक्शन और गेंद को स्विंग कराने की काबिलियत। उनकी यॉर्कर और स्लो बॉल बल्लेबाजों को हैरान कर देती हैं। स्वह की मुश्किल पिचों पर, जहां गेंदबाजों को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है, बुमराह ने हमेशा अपनी टीम के लिए अहम मौकों पर विकेट निकाले। उनकी औसत 21.02 इस बात का सबूत है कि वे न सिर्फ विकेट लेते हैं, बल्कि बल्लेबाजों को कम रन बनाने का मौका देते हैं।

- **वसीम अकरम (पाकिस्तान)**
  146 विकेट, औसत 24.11। वसीम की स्विंग और रिवर्स स्विंग ने बल्लेबाजों को हमेशा मुश्किल में डाला।
- **जसप्रीत बुमराह (भारत)**
  145 विकेट, औसत 21.02। बुमराह की शानदार औसत उन्हें इस सूची में खास बनाती है।
- **अनिल कुंबले (भारत)**
  141 विकेट, औसत 37.04। एक स्पिनर के रूप में कुंबले का यह प्रदर्शन कमाल का है।
- **इशांत शर्मा (भारत)**
  130 विकेट, औसत 36.86। इशांत ने लंबे समय तक भारतीय गेंदबाजी की कमान संभाली।
- **मुथैया मुरलीधरन (श्रीलंका)**
  125 विकेट, औसत 26.69। मुरली की फिरकी ने स्वह में भी कमाल दिखाया।
- **मोहम्मद शमी (भारत)**
  123 विकेट, औसत 32.88। शमी की सीम मूवमेंट ने बल्लेबाजों को खूब परेशान किया।
- **जहीर खान (भारत)**
  119 विकेट, औसत 31.47। जहीर की सटीक लाइन और लेंथ हमेशा याद की जाएगी।
- **कपिल देव (भारत)**
  117 विकेट, औसत 33.07। भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान ने गेंदबाजी में भी कमाल किया।
- **वकार यूनुस (पाकिस्तान)**
  113 विकेट, औसत 29.15। वकार की रफ्तार और यॉर्कर अविश्वसनीय थे।

भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट इतिहास में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले टॉप-5 गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-इंग्लैंड के बीच 20 जून से टेस्ट सीरीज की शुरुआत होने जा रही है, जिसमें कुल पांच मुकाबले खेले जाने हैं। पहला मैच लीड्स में आयोजित होगा, जिसके लिए भारतीय टीम इंग्लैंड में अपनी तैयारियां शुरू कर चुकी है। भारत ने इंग्लैंड में आखिरी बार टेस्ट सीरीज साल 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में जीती थी।

ऐसे में टीम इंडिया इस बार शुभमन गिल की कप्तानी में 18 साल के सूखे को समाप्त करने के इरादे से उतरेगी।

भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट इतिहास में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की बात करें, तो इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन टॉप पर हैं। शीर्ष-5 खिलाड़ियों की सूची में चार भारतीय हैं। आइए, भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं-

1. जेम्स एंडरसन

इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने साल 2006 से 2024 तक भारत के खिलाफ 39 मैच खेले, जिसकी 73 पारियों में 149 शिकार किए। इस दौरान एंडरसन ने छह बार पारी में 5 या इससे ज्यादा शिकार किए।

2. रविचंद्रन अश्विन

भारतीय स्पिनर ने साल 2012 से 2024 तक इंग्लैंड के विरुद्ध कुल 24 मुकाबलों की 45 पारियों में 114 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान आठ बार पारी में पांच या इससे ज्यादा विकेट चटकाए।

3. बीएस चंद्रशेखर

इस भारतीय स्पिनर ने साल 1964 से 1979 के बीच इंग्लैंड के खिलाफ 23 मुकाबलों की 38 पारियों में 95 विकेट हासिल किए। चंद्रशेखर इ फे हरिस्त में तीसरे पायदान पर है चंद्रशेखर फाइव-विकेट हॉल के मामले में अश्विन की बराबरी पर हैं।

4. अनिल कुंबले

साल 1990 से 2007 के बीच इस लेग स्पिनर ने इंग्लैंड के खिलाफ 19 टेस्ट खेले, जिसकी 36 पारियों में 92 शिकार किए।

इस दौरान कुंबले ने चार बार पारी में पांच या इससे ज्यादा विकेट लिए। कुंबले टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओ सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

5. बिशन सिंह बेदी

साल 1967 से 1979 के बीच भारत के इस पूर्व स्पिनर ने इंग्लैंड के खिलाफ 22 टेस्ट खेले, जिसमें 85 विकेट चटकाए।

बिशन सिंह बेदी चार बार फाइव-विकेट हॉल के साथ कुंबले की बराबरी पर हैं।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने विराट कोहली की नकल की?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में 18 साल के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 3 जून को अपना पहला खिताब जीता. इस दौरान टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली काफी इमोशनल हो गए थे. उनकी आंखों से आंसू रुक नहीं रहे थे. कुछ ऐसा ही नजारा अब फुटबॉल के एक मैच के दौरान देखने को मिला. जब फुटबॉल जगत के महान खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो खिताब जीतने के बाद काफी इमोशनल हो गए. इस दौरान वो विराट कोहली की नकल कर करने लगे. जिस तरह फाइनल जीतने के बाद विराट कोहली मैदान में घुटने के बल बैठकर सिर झुका लिया था, ठीक वैसा ही रोनाल्डो ने किया, जब उनकी टीम पुर्तगाल ने नेशंस लीग का खिताब का जीता. नेशंस लीग के फाइनल में पुर्तगाल ने पेनल्टी शूट आउट में स्पेन को हराकर दूसरी बार इस खिताब पर कब्जा किया. चोट के कारण क्रिस्टियानो रोनाल्डो पेनल्टी शूट आउट हिस्सा नहीं ले पाए थे. पेनल्टी शूट आउट के दौरान जैसे ही पुर्तगाल ने पेनल्टी को गोल में बदलकर दूसरी बार नेशंस लीग का खिताब

जीता, वैसे ही रोनाल्डो इमोशनल होकर अपने घुटनों पर बैठ गए और अपना सिर अपनीं बाहों के नीचे छिपा लिया. उनकी आंखों में खुशी की आंसू थे. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है.

फाइनल मुकाबले में किया शानदार गोल

फैसला पेनल्टी शूट आउट से हुआ. खिताब में स्पेन के खिलाफ खिताबी मुकाबले में में रोनाल्डो ने शानदार गोल करके मैच का बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया था. इसके बा जीतने के बाद टीम के कोच और खिलाड़ियों ने रोनाल्डो को बधाई दी. पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने कहा कि मैच के दौरान स्पेन दो बार हमसे आगे था, लेकिन रोनाल्डो ने अपने अनुभव का फायदा उठाकर टीम को शानदार जीत दिलवाई. टीम के साथी नूनो मेंडेस ने कहा कि रोनाल्डो हर चीज के हकदार हैं. वो मैदान के अंदर और बाहर भी हमारी मदद करते रहते हैं. वो हमारे रोल मॉडल हैं.

विराट हो गए थे इमोशनल

इससे पहले तीन जून को आईपीएल 2025 का खिताब जीतने बाद आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली काफी भावुक हो गए थे. जैसे ही आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराया, वैसे ही विराट मैदान में घुटने के बल बैठ गए और सिर को नीचे झुका लिया था. अब रोनाल्डो ने खिताब जीतने के बाद ठीक वैसा ही किया.

इंडिया-वेस्टइंडीज और इंडिया-साउथ अफ्रिका मैचों के लिए अपडेटिड स्थानों की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस वर्ष के लिए अंतर्राष्ट्रीय घरेलू सत्र और दक्षिण अफ्रीका ए टीम टूर के लिए संशोधित कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें वेस्ट इंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ परीक्षण श्रृंखला के लिए एक स्थल में बदलाव भी शामिल है।

बीसीसीआई ने एक बयान जारी कर कहा, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2025 के लिए अंतर्राष्ट्रीय घर के टूर और दक्षिण अफ्रीका ए टूर ऑफ इंडिया के लिए अपडेटिड कार्यक्रम की घोषणा की है। टीम इंडिया (सीनियर टीम) का सामना वेस्ट इंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच, वन-डे इंटरनेशनल (एकदिवसीय) और टी20 इंटरनेशन में घर पर होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला 2 अक्टूबर, 2025 को अहमदाबाद में शुरू होगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा टेस्ट, जो मूल रूप से कोलकाता में होना था अब नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इसके विपरीत 14 नवंबर, 2025 से शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला का पहला टेस्ट अब नई दिल्ली के बजाय कोलकाता के ईडन गार्डन में आयोजित किया जाएगा।

इसके अलावा चेन्नई में एमए चिदंबरम स्टेडियम में आउटफील्ड और पिचों को फिर से बनाने के कारण टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच एकदिवसीय श्रृंखला को चेन्नई से स्थानांतरित कर दिया गया है। पहले दो वनडे अब न्यू चंडीगढ़ में नए पीसीए स्टेडियम में होंगे जबकि तीसरी और अंतिम वनडे नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। दक्षिण अफ्रीका की पुरुषों की टीम 30 अक्टूबर 2025 से शुरू होने वाले दो बहु-दिवसीय मैचों और तीन एकदिवसीय मैचों में भारत का सामना करना है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारत को लगा झटका, ऋषभ पंत ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम ने अभ्यास शुरू कर दिया है। भारतीय टीम ने मुख्य कोच गौतम गंभीर और अन्य सपोर्ट स्टाफ की निगरानी में ट्रेनिंग की। लेकिन इसी ट्रेनिंग के दौरान भारत को बड़ा झटका भी लगता हुआ नजर आया जब विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एक चोटिल हो गए। अभ्यास सत्र के दौरान पंत उस समय घायल हो गए जब एक गेंद बल्लेबाजी के दौरान उनके बाईं बांह में लग गई। गेंद लगने के बाद पंत दर्द में दिखाई दिए जिसके बाद टीम के डॉक्टर को बुलाना पड़ा और उन्होंने प्राथमिक उपचार करते हुए पंत के आइस पैक लगाया।

इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर कर दिया गया जहां उन्होंने आराम करते समय बिताया था। हालांकि, भारतीय टीम भाग्यशाली थी क्योंकि चोट बहुत गंभीर नहीं थी और बल्लेबाज ने सभी को आश्वस्त किया कि वह ठीक हैं। पांच मैचों की श्रृंखला 20 जून को लीड्स में शुरू होगी। दूसरे टेस्ट बर्मिंघम में होगा जिसके बाद लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड 10 जुलाई से तीसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा। ओल्ड ट्रैफर्ड और केनिंग्टन ओवल क्रमशः श्रृंखला के चौथे और पांचवें टेस्ट की मेजबानी करेंगे। रोहित शर्मा के टेस्ट संन्यास के बाद गिल को भारत का 37वां टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने टेस्ट में भारत के लिए सलामी बल्लेबाज और नंबर तीन बल्लेबाज के रूप में खेला है।

भारतीय टीम: शुबमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उप-कप्तान और विकेटकीपर यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव

हैरी ब्रुक ने 11 दिनों के अंदर जीती दूसरी श्रृंखला

ब्रिस्टल (इंग्लैंड), एजेंसी। इंग्लैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में वेस्टइंडीज को 9 गेंद शेष रहते चार विकेट से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। टीम ने इससे पहले तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में भी सूपड़ा साफ किया था जिससे नए कप्तान हैरी ब्रुक को 11 दिनों के अंदर दूसरी श्रृंखला में जीत दर्ज की। जोस बटलर के बाद टीम की कमा संभालने वाले ब्रूक की यह पांच मैचों में पांचवीं जीत है।

वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर 6 विकेट पर 196 रन बनाए। इंग्लैंड ने 18.3 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 199 रन बनाकर मैच और श्रृंखला जीत ली। इंग्लैंड ने 9 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की लेकिन उसके लिए वेस्टइंडीज के लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं था। जरूरी रनरेट एक समय 11 रन प्रति ओवर से अधिक हो गया था। टीम हालांकि शीर्ष क्रम में छह में से पांच बल्लेबाजों के शानदार प्रयास से जीत दर्ज करने में सफल रही। जैकब बेथेल (10 गेंद में 26 रन) और टॉम बैंटन (11 गेंद में नाबाद 30) ने पांचवें विकेट के लिए सिर्फ 21 गेंदों पर 56 रन की साझेदारी कर वेस्टइंडीज की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। श्रृंखला के शुरुआती मैच में 96 रन बनाने वाले बटलर ने 36 गेंदों पर 47 रन बनाकर एक बार फिर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। वेस्टइंडीज ने इससे पहले आखिरी दो ओवर में 47 रन बटोर कर प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। इस दौरान टीम ने 19वें ओवर में आदिल राशिद के खिलाफ पांच छक्के की मदद से 31 रन बटोरे। पूर्व कप्तान जैसन होल्डर (नाबाद 29) ने शुरुआती तीन गेंदों पर छक्के जड़े जबकि आखिरी दो गेंदों पर रोमारियो शेफर्ड (19) ने गेंद को दर्शकों के पास पहुंचाया। कप्तान शाई होप वेस्टइंडीज के लिए शीर्ष स्कोरर रहे जिन्होंने चार छक्के की मदद से 38 गेंदों में 49 रन बनाए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज एविन लुईस के पहली गेंद पर खाता खोले बगैर आउट होने के बाद जॉनसन चार्ल्स के साथ दूसरे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी की।

चार्ल्स ने 39 गेंदों में 47 रन की पारी में तीन छक्के और तीन चौके लगाए। मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले ल्यूक खुड ने चार्ल्स को भी चलता किया। उन्होंने अपने चार ओवर में सिर्फ 25 रन खर्च कर दो विकेट लिये और मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये। श्रृंखला का तीसरा मैच मंगलवार को साउथम्प्टन में खेला जाएगा।

शीर्ष शिक्षाविद प्रो. इतिकला पुरुषोत्तम और प्रो. एस.के. महमूद को उच्च शिक्षा रत्न पुरस्कार 2025

हैदराबाद (एजेंसी),

राष्ट्रीय उच्च शिक्षा दिवस के अवसर पर, तेलंगाना बौद्धिक मंच के तत्वावधान में, शिक्षा के क्षेत्र में राज्य के दो बुद्धिजीवियों को जिम ऑफ द हायर एजुकेशनिस्ट अवार्ड 2025 तेलंगाना के लिए चुना गया है।

तेलंगाना शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष बुद्धिजीवी प्रोफेसर इतिकला पुरुषोत्तम और प्रोफेसर एस.के. महमूद, तेलंगाना बौद्धिक मंच राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज और सचिव डॉ. मोहम्मद अख्तर अली ने एक प्रेस विज्ञप्ति में घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार 10 जून, 2025 को राष्ट्रीय उच्च शिक्षा दिवस के अवसर पर तेलंगाना शिक्षा परिषद कार्यालय में प्रदान किया जाएगा।

प्रो. इतिकला पुरुषोत्तम ने पिछले 30 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में, विशेष रूप से अर्थशास्त्र में उच्च शिक्षा में अपार सेवाएं दी हैं। 1988 में निजाम कॉलेज से अर्थशास्त्र में एम.ए. है।1992 में एम.फिल गोल्ड मेडल, उस्मानिया विश्वविद्यालय से पीएचडी 2007 में, वे उस्मानिया विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए और कई छात्रों के गुरु के रूप में प्रसिद्ध हुए।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 12 शोध पत्र प्रकाशित हुए। प्रोफेसर पुरुषोत्तम के मार्गदर्शन में 14 छात्रों ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। एक कवि के रूप में, उन्होंने तेलुगु भाषा में कई किताबें लिखी हैं, जिनमें कविताएँ शामिल हैं।चेदु निज़ाम, धाली, नेति निजालु, मयाणी गायलु, जो प्रसिद्ध हैं। तेलंगाना में पुंडीराल्लू नामक कैसेट के माध्यम से तेलंगाना का इतिहास और राजनीति बहुत प्रसिद्ध है।

1997 में, उन्होंने तेलंगाना पोराटा समिति में कई आंदोलनों में भाग लिया और 2001 में, वे 2016 से 2019 तक तेलंगाना संयुक्त कार्रवाई समिति के सह-अध्यक्ष, संयोजक और उपाध्यक्ष के रूप में जारी रहे। वे 20 अगस्त, 2024 को उस्मानिया विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त हुए। शिक्षा के क्षेत्र में उनके शोध के लिए उन्हें कई पुरस्कार मिले हैं। 17 अगस्त 2024 को, राज्य सरकार ने उन्हें तेलंगाना शिक्षा परिषद का उपाध्यक्ष नियुक्त किया।

प्रोफेसर एसके महमूद, एक प्रसिद्ध शिक्षाविद्, उस्मानिया विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर और 1989 से 2009 तक प्रोफेसर रहे और उन्हें कई पुरस्कार मिले। उन्होंने जर्मनी, अमेरिका, नीदरलैंड, फ्रांस, लंदन और अन्य जैसे विभिन्न देशों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और बात की। वह वर्तमान में तेलंगाना शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित मछली प्रसाद शिविर में राज्य सभा सांसद नरेश बंसल

हैदराबाद (एजेंसी),

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मछली प्रसाद ग्रहण करने हेतु देश भर से आए हुआ बंधुओं के लिए भोजन व्यवस्था की गई । इस शिविर में राज्य सभा सदस्य नरेश बंसल ने भी प्रसाद ग्रहण किया और भोजन वितरण में अपनी सेवा प्रदान की ।इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष ने एक रुपया एक ईंट का स्मृति चिन्ह देकर नरेश का सम्मान किया । इस अवसर पर अग्रवाल समाज से निवर्तमान अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल मानद मंत्री कपूर चंद,परामर्शदाता अनिरुद्ध गुप्ता,रूपेश अग्रवाल,अशोक बंसल ,शिव भालवाले,अनिल पटवारी,विनय जैन ,शशिकांत अग्रवाल,धीरज खैतान,आरती अग्रवाल,राकेश पचेरिया,योगेश जैन आदि उपस्थित थे।

सेना के अधिकारियों ने रायचूरु के बाढ़ प्रभावित गांवों का किया दौरा

रायचूरु (एजन्सी),

इस मानसून के मौसम में भारी बारिश की संभावना के बारे में मौसम की रिपोर्ट के मद्देनजर भारतीय सेना के अधिकारि मेजर बसव प्रभु और संजीव साधुनवर के नेतृत्ववाली दल ने रायचूरु जिले के रायचूरु और देवदुर्ग तालुका के संभवनीय बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया और उनका निरीक्षण किया। सेना के अधिकारियों ने रायचूरु अग्निशमन विभाग के कार्यालय का दौरा किया और बाढ़ की स्थिति में इस्तेमाल किए जाने वाले बचाव उपकरणों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को बाढ़ की स्थिति में पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला, तालुका और ग्राम स्तर के अधिकारी मौजूद थे।

डॉ.वी.भूम रेड्डी के निधन से चिकित्सा जगत में शोक की लहर

करीमनगर (एजन्सी),

आईएमए जिला अध्यक्ष डॉ.अनमल्ला नरेश ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि, डॉ.भूम रेड्डी ने करीमनगर में कई स्थायी जनसेवा परियोजनाओं की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें लायंस क्लब रेकुथी नेत्र अस्पताल, सुश्रुत कैंसर अस्पताल, करीमनगर रेडक्रॉस सोसायटी, आईएमए बिल्डिंग ट्रस्ट, और आईएमए हरित हरम जैसी संस्थाएं शामिल हैं। उनकी सेवा भावना और समर्पण को देखते हुए रोगी उन्हें 'अर्धदेवता' कहकर पुकारते थे, जबकि चिकित्सक समाज में उन्हें "आईएमए के भीष्म पितामह" के रूप में सम्मान प्राप्त था। उन्होंने कहा कि सोमवार शाम

4:40 बजे उनका निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर उनके निवास स्थान पर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है।

चिकित्सा एवं सामाजिक सेवा जगत में यह एक अपूरणीय क्षति है।आई एम ए प्रदेश पूर्व अध्यक्ष डॉ. बी एन राव ने अपने शोक संदेश में कहा कि डॉ.वी.भूम रेड्डी का निधन चिकित्सा क्षेत्र में अपूर्णीय क्षति है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने शोक संदेश मे कहा कि प्रसिद्ध चिकित्सक और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. भूमि रेड्डी के निधन से गहरा दुख हुआ है। डॉ. भूम रेड्डी का नाम चिकित्सा क्षेत्र में तेलुगु राज्यों में एक अत्यंत प्रतिष्ठित और जाना-पहचाना नाम है। उन्होंने कहा कि करीमनगर में पहला निजी अस्पताल स्थापित करने के साथ-साथ, जिले में निजी क्षेत्र में पहला ऑपरेशन करने का श्रेय भी डॉ. भूमि रेड्डी को ही जाता है। एक कुशल सर्जन के रूप में उन्होंने अपनी सेवाएं समर्पित करते हुए गरीबों के लिए एक "ईश्वर तुल्य चिकित्सक" के रूप में पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि चल्मेडा आनंद राव मेडिकल कॉलेज की स्थापना में भी डॉ. रेड्डी ने एक निर्णायक भूमिका निभाई। संयुक्त करीमनगर ज़िले में यूरोलॉजी और न्यूरो सर्जरी जैसे जटिल चिकित्सा क्षेत्रों में उनका नाम अग्रणी रहा। उन्होंने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि डॉ. भूम रेड्डी की पुण्य आत्मा को शांति मिले और उनके परिवार को इस दुःख की घड़ी में धैर्य और संबल प्रदान हो। करीमनगर के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. वी. भूम रेड्डी के निधन पर पूर्व सांसद बोइनपल्ली विनोद कुमार ने गहरा शोक व्यक्त किया है। विनोद कुमार ने कहा कि 91 वर्ष की आयु तक भी डॉ. भूम रेड्डी द्वारा लोगों को चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करना एक अत्यंत प्रशंसनीय कार्य है। यह समाज सेवा की एक मिसाल है। उन्होंने डॉ. रेड्डी के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की और इस दुख की घड़ी में उन्हें संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

हैदराबाद (एजेंसी),राज्यसभा सांसद नरेश बंसल के हैदराबाद आगमन पर राधे राधे ग्रुप की ओर से विकानेर रेस्टोरेंट, बशीरबाग में उनका हार्दिक स्वागत एवं सम्मान किया गया। राधे ग्रुप की ओर से उन्हे सम्मानित करते सतिश कुमार अग्रवाल तथा अन्य।

समाज सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले करीमनगरवासी राष्ट्रीय 'बंगारू नंदी' पुरस्कार से सम्मानित

करीमनगर (एजन्सी),

तेलंगाना गठन दिवस, पर्यावरण दिवस और नेशनल फ्रेंडशिप डे के अवसर पर तेलंगाना सरकार के सांस्कृतिक विभाग के सौजन्य से जी.सी.एस. वल्लूरी फाउंडेशन और श्री प्रगति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न क्षेत्रों में सेवा प्रदान कर रहे प्रमुख व्यक्तियों को सम्मानित करने हेतु हैदराबाद के सुंदरैया विज्ञान केंद्र में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में "राष्ट्रीय बंगारू नंदी पुरस्कार" प्रदान किए गए। अवसर पर, चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान कर रहे स्थानीय

दे रहे ईदा कुमारस्वामी और निजी क्षेत्र में इंजीनियर के रूप में उत्कृष्ट सेवा देने वाले कोला अन्नारेड्डी को पूर्व मंत्री एवं फिल्म अभिनेता बाबू मोहन, पूर्व केंद्रीय मंत्री समुंद्रला वासुदेव हॉस्पिटल के प्रमुख डॉ. एलगंदुला श्रीनिवास, सरकारी विभाग में इंजीनियर के रूप में सेवाएं प्रतिष्ठित हस्ती दोरई स्वामी और दरबार चंद्रशेखर के करकमलों से 'बंगारू नंदी' पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के साथ-साथ वेणुगोपाल चारी, आचार्य दैवज्ञ शर्मा, मल्काजगिरि एडीशनल डीसीपी वेंकटारमण, फिल्म जगत के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा करने वाले कई विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया। श्री फाउंडेशन, जी.सी.एस. वल्लूरी फाउंडेशन और श्री प्रगति फाउंडेशन के सदस्यों ने इस आयोजन में भाग लिया। अवसर पर अलायंस प्रतिनिधियों में पुलाल श्याम, गालिपेल्ली नागेश्वर, चरिमेल वेंकटेश्वरलु, हैमावती महेश, अल्लाडी आनंद कुमार, सुद्दपल्ली प्रसाद, डॉ. एम. वसंतराव, डॉ. राज कुमार, डॉ. पेंचलैया, डॉ. अरुण कटारी, डॉ. रमणाचारी, डॉ. नागेश, डॉ. बी. सुनील राज, डॉ. कृष्ण चैतन्य, डॉ. सौम्या, डॉ. साई मेघना, डॉ. साई प्रीतम तथा तेलंगाना राज्य ताना एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी।

साहित्य सेवा समिति द्वारा 124 वीं मासिक गोष्ठी का सम सामयिक विषय पर सफल आयोजन

हैदराबाद (एजन्सी),

साहित्य सेवा समिति द्वारा 124 वीं मासिक गोष्ठी का सफल आयोजन ऑनलाइन गूगल मीट पर उमेश चंद यादव की तकनीकी सहायता से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य सेवा समिति के अध्यक्ष, संस्थापक डीके गोयल द्वारा की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन गीता अग्रवाल द्वारा किया गया।

गोष्ठी दो सत्रों में संचालित की गई। प्रथम सत्र में विषय चर्चा द्वितीय सत्र में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सुधा ठाकुर द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई ।तत्पश्चात स्वागत भाषण डॉ. दया कृष्ण गोयल ने दिया । शुभ्रता निगम ने प्रस्तुत विषय "सोशल मीडिया में पैदा होते

जयचंद और उसका देश की सुरक्षा को खतरा "पर विषय परिचय दिया, तत्पश्चात अभिजीत पाठक ने विषय पर सिंहावलोकन करते हुए विषय के समस्त पहलुओं को वैश्विक आधार से जोड़कर भारतीय धरातल पर घटित होने वाले घटनाक्रमों को पौराणिक और आधुनिक प्रसंगों से जोड़ते हुए विषय के साथ पूर्ण न्याय किया।

इसी विषय क्रम में गंगाधर वानाेडे, सुनीता लुल्ला, सत्य प्रसन्न, ममता जायसवाल, गीता अग्रवाल, जी परमेश्वर , दर्शन सिंह, सुधा ठाकुर, राजेंद्र रुंगटा आदि ने अपने विचार रखें। सभी साहित्यकारों के मन में देश सुरक्षा के प्रति निष्ठा और साजिश कारो के लिए असीम क्रोध और संविधान में कानून के द्वारा सोशल मीडिया के प्रयोग पर कुछ अंकुश की मांग की गई। प्रथम सत्र में तृप्ति मिश्रा की उपस्थिति भी दर्ज की गई। संचालन कर्ता गीता अग्रवाल ने द्वितीय सत्र का भी संचालन प्रारंभ करते हुए काव्य गोष्ठी की सुंदरता को बढाया। जिसमें कविवर सी.पी.दायमा सत्य प्रसन्न, अभिजीत पाठक ,दर्शन सिंह उमेश श्रीवास्तव नवांकुर ,जी परमेश्वर, राजेंद्र रुंगटा, उमेश चंद यादव, सुनीता लुल्ला, डॉ अर्चना पांडे ,मम

सीरवी महासभा कर्नाटका का महाधिवेशन सम्पन्न

बेंगलूरू (एजन्सी),

सीरवी समाज महासभा कर्नाटक प्रांत का महाधिवेशन का आयोजन धर्मगुरू दीवान माधवसिंह के सानिध्य में रविवार को सीरवी समाज आनेकल बडेर में किया गया। धर्मगुरू दीवान माधवसिंह व अतिथियों ने आईमाता तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन व आरती के साथ किया।

एक दिवसीय महाधिवेशन में बेंगलूरू और कर्नाटक राज्य के क्षेत्रीय वडेरों और महासभा के पदाधिकारियों के साथ ही समाज के पेशेवर भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। महासभा के महा सचिव अमरचंद सानपुरा ने स्वागत किया। इस अवसर पर मांआईजी.साफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक गौतम मुलेवा व सह निदेशक रघुवीर भायल ने (मेरा बडेर) नाम से वेबसाइट का

के बारे में जानकारी दी। गौतम मुलेवा ने कहा की इस वेबसाइट के माध्यम से समाज की सभी संस्थाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते है। महासभा के महा सचिव अमरचंद सानपुरा ने कहा कि समाज के पेशेवर युवाओं को मुख्य धारा से जोडने के लिए रूपरेखा तैयार की जाएगी। साथ ही प्रवासी सीरवी समाज की जनगणना भी की जाएगी। उद्घाटन धर्मगुरू दीवान माधवसिंह के कर कमलों द्वारा किया गया। गौतम मुलेवा ने मेरा बडेर वेबसाइट समाज की भावी पीढ़ी को बेहतर और उच्च शिक्षा देनी चाहिए। समाज के उत्थान के लिए शिक्षा के महत्व को समझना अनिवार्य है। उन्होंने कहा की स्वास्थ्य शिविर के लिए भी महासभा प्रयास करेगी। महासभा ने प्रत्येक प्रतिष्ठान से प्रति वर्ष 300 रू महासभा में सहयोग देने के लिए और महासभा के ट्रस्ट सदस्य बनाने के लिए प्रस्ताव पारित किए गये। और समाज के लिए एक जमीन खरीद कर उसमें शिक्षा के लिए भवन व विद्यार्थियों के रहने के लिए छात्रावास निर्माण के लिए विचार रखे। पूर्व अध्यक्ष वीरमराम सोलंकी ने कहा कि समाज के प्रबुद्ध लोगों को समाज को नई दिशा देने के लिए आगे आना चाहिए।

और सभी वडेरों में बाल संस्कार शिविर व स्वास्थ्य, योगा शिविर का आयोजन करना चाहिए। कर्नाटक और बेंगलूरू क्षेत्रीय वडेरों से आए सभी सीरवी समाज संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने समाज विकास पर चिंतन कर सुदृढ समाज निर्माण करने की बात कही। वक्ताओं ने कहा की आने वाली पीढ़ी को समाज के बुजुर्ग को साथ लेकर आगे बढ़े। संगठित समाज के निर्माण के लिए सभी को मिलजुलकर कार्य करना चाहिए। इससे पूर्व सुबह धर्मगुरू दीवान माधवसिंह के स्वागत के लिए वरघोड़ा निकाला गया। महिलाओं ने मंगल गीत गाए। इससे पूर्व संध्या भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महासभा के कोषाध्यक्ष पोकरराम राठौड़, उपाध्यक्ष थानाराम गहलोत, कैलाश बर्फा, सहसचिव सेराराम आगलेचा, भुण्डाराम हाम्बड़, सहकोषाध्यक्ष भंवरलाल गहलोत, मिडीया प्रभारी गोरधन लाल बर्फा, होसकोटे जोन के संयोजक ओमप्रकाश चोयल,पूर्व अध्यक्ष विरमाराम सोलंकी, आनेकल बडेर के अध्यक्ष बालूराम गहलोत, उपाध्यक्ष ढगलाराम बर्फा, सचिव रतनलाल भायल, सहसचिव मुकनाराम आगलेचा, कोषाध्यक्ष चौथाराम गहलोत, सहकोषाध्यक्ष बाबूलाल बर्फा व आनेकल वडेर के सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य,महिला मंडल, नवयुवक मंडल एवं क्षेत्रीय बडेरों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। मंच संचालन मोहन सीरवी ने किया। संपूर्ण मिडिया कवरेज नारायणलाल सैणचा ने किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा एमबीए में गोल्ड मेडलिस्ट अदिति अग्रवाल का सम्मान

हैदराबाद (एजन्सी),

अतापुर में निवास करने वाले सत्यनारायण नंदकिशोर अग्रवाल सूरजगढ़ की बेटी अदिति अग्रवाल ने राजस्थान के सीकर स्थित शोभासरिया इंस्टिट्यूट से एमबीए के रिजल्ट में अदिति गुप्ता ने पूरे राजस्थान में टॉप रहकर दोबारा इतिहास रचा है अदिति ने एमबीए मे शानदार प्रदर्शन करते हुए 9.72 ग्रेड प्वाइंट अर्जित कर स्वर्ण पदक हासिल किया है

यह स्वर्ण पदक अदिति को बीकानेर में आयोजित तृतीय दीक्षांत समारोह में राजस्थान के महामहिम राज्यपाल के हाथों से भेंट किया गया उल्लेखनीय है कि आदिति अगरवाल बीकॉम मैं स्टेट टॉपर रहने को लेकर भी राजस्थान के महामहिम द्वारा गोल्ड मेडल मिला था अग्रवाल समाज अट्टापुर शाखा से जुड़े सत्यनारायण अग्रवाल सूरजगढ़ वाले की बेटी एमबीए राजस्थान में स्टेट टॉपर रहकर राजस्थान के महामहिम राज्यपाल से गोल्ड मेडल प्राप्त किया है इस बात की खुशी पूरे अग्रवाल समाज में दौड़ गई इस विषय को लेकर अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा लगाये गये दमा रोगियों के लिए मछली प्रसाद शिविर मैं अदिति अग्रवाल को आमंत्रित कर उनका भव्य रूप से सम्मान किया गया तथा वहां मौजूद समाज के अनेक बड़े लोगों ने उनको ढेर सारी शुभकामनाएं दी

तेलंगणा/ महाराष्ट्र /आंध्र प्रदेश /ओरिसा /कर्नाटक

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net